राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 17 मई 2025 वर्ष-8,अंक-87 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बीजेपी अपने फूट, चूक और लूट के लिए जानी जाएगी- अखिलेश

-सपा प्रमुख ने सीजफायर पर जश्न मनाने को लेकर उठाया सवाल

लखनऊ।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पाकिस्तान के साथ सीजफायर पर जश्न मनाने को लेकर सवाल उठाया। इसके बाद बीजेपी ने अखिलेश की मानसिकता पर सवाल खड़े कर दिए। भारत-पाक के बीच सीजफायर चल रहा है। अखिलेश ने एक दिन पहले कहा था कि आखिरकार हमारी सीमाएं इतनी सुरक्षित क्यों नहीं हैं? कोई भी हमारी सीमा में घुस न पाए। सरकार को जनता को यह भरोसा दिलाना चाहिए कि अब कभी हमला नहीं होगा। भाजपाई पूरी तरह से झूठ का भंडार है। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी अपने फूट, चूक और लूट के लिए जानी जाएगी। यही एक भाजपाई लोग हजारों किलोमीटर तिरंगे के लिए चले थे। अब कुछ किलोमीटर भी तिरंगा के लिए नहीं चल पा रहे हैं। जश्न जीत का होता है, सीज का नहीं। बता दें पहलगाम हमले के बाद से भारत-पाक की स्थिति तनावपूर्ण है। अखिलेश ने कहा कि सरकार अपनी सीमाओं को इतना मजबूत क्यों नहीं कर देती कि अगली बार चूक की कोई गुंजाइश ना हो। सरकार कह रही है कि अगली बार मुंह तोड़ जवाब देंगे। क्या यह सरकार फिर हमले की तैयारी कर रही है? उन्होंने कहा कि जनता जागरूक और समझदार है। इस बार सबक सिखाएगी जो इनकी चूक हुई है, इस बार चुनाव हराएगी और बीजेपी के लोग बचने वाले नहीं हैं।

अब तो राहुल के करीबी सहयोगी भी जानते हैं कि पार्टी का कोई भविष्य नहीं

-बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता भंडारी ने एक्स पर पोस्ट में कांग्रेस पर कसा तंज

नई दिल्ली।

बीजेपी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम की टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को विपक्षी दल पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी के करीबी सहयोगी भी जानते हैं कि पार्टी का कोई भविष्य नहीं है। बता दें चिदंबरम ने इंडिया गठबंधन को लेकर चिंता जताते हुए गुरुवार को कहा था कि वह आश्वस्त नहीं हैं कि यह विपक्षी गठबंधन अब भी एकजुट है। चिदंबरम के बयान को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने पूर्वानुमान जताया है कि भविष्य में विपक्ष एकजुट नहीं रहेगा। बीजेपी मजबूत संगठन है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के करीबी सहयोगी चिदंबरम भी जानते हैं कि कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है। चिदंबरम ने सलमान खुर्शीद और मृत्युंजय सिंह यादव की किताब के विमोचन के मौके पर कहा कि इंडिया गठबंधन का भविष्य उतना उज्ज्वल नहीं है, जैसा मृत्युंजय सिंह यादव ने कहा। उन्हें लगता है कि गठबंधन अब भी बरकरार है, लेकिन इसे लेकर मैं आश्वस्त नहीं हूं। केवल सलमान खुर्शीद इस पर जवाब दे सकते हैं क्योंकि वह इंडिया गठबंधन के लिए बातचीत करने वाली टीम का हिस्सा थे। चिदंबरम ने कहा कि अगर गठबंधन पूरी तरह से कायम है, तो मुझे बहुत खुशी होगी। लेकिन ऐसा लगता है कि यह कमजोर पड़ गया है। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि गठबंधन अब भी कायम रह सकता है, अब भी समय है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री के मुताबिक इंडिया गठबंधन एक ऐसे मजबूत तंत्र के खिलाफ लड़ रहा है, जिससे सभी मोर्चों पर लड़ा जाना चाहिए। गत वर्ष लोकसभा चुनाव में एनडीए से मुकाबले के लिए विपक्षी दलों ने इंडिया गठगंधन बनाया था।

पाकिस्तान एयर डिफेंस को तबाह करने भारत ने दागी 15 ब्रह्मोस मिसाइलें

निशाना इतना सटीक पाकिस्तान को भारी सैन्य नुकसान हुआ

नई दिल्ली।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान की एयर डिफेंस को पंगु बनाने के लिए करीब 15 ब्रह्मोस मिसाइलें दागीं। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की कार्रवाई से असीम मुनीर की पाकिस्तानी सेना में हड़कंप मच गया। क्योंकि, इस हमले में पाकिस्तान के 13 में से 11 प्रमुख एयरबेस तबाह हो गए। भारत ने इसके पहले पाकिस्तान के रडारों को उकसाने और निष्क्रिय करने के लिए पायलट रहित ड्रोन का इस्तेमाल किया। पाकिस्तान ने 7-8 मई की रात को भारत में कई सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने की कोशिश की थी। इसी के जवाब में भारत ने कार्रवाई की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल की सलाह पर ब्रह्मोस मिसाइल को मिशन में मुख्य हथियार के रूप में चुना गया। रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने 7-8 मई की रात को जो श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, लुधियाना और भुज में कई सैन्य और रिहायशी ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने की कोशिश की थी, लेकिन भारत के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी खतरों को नाकाम कर दिया था। इसके जबाव में भारतीय सशस्त्र बलों ने अगली सुबह पाकिस्तान पर तालमेल के साथ बहुत ही सटीक और घातक हमले किए। उन्होंने लाहौर स्थित दुश्मन के एक रडार सहित पाकिस्तानी एयर डिफेंस रडारों को निशाना बनाया। 9-10 मई की रात को वायुसेना ने पाकिस्तानी वायु सेना के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला करके अपनी जवाबी कार्रवाई और तेज कर दी। रिपोर्ट में बताया गया है कि वायुसेना ने पाकिस्तानी रडारों और एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय करने के लिए पहला बिना पायलट वाले विमानों का इस्तेमाल किया। एक बार जब पाकिस्तानी रडार और एयर डिफेंस सक्रिय हो गए, तब भारत ने उन्हें हारोप कामिकेज ड्रोन का इस्तेमाल करके पूरे सिस्टम को डीएक्टिवेट करके तबाह किया। इस कदम के साथ ही ब्रह्मोस और स्कैल्प क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल करके आगे के मिसाइल हमलों का रास्ता साफ हो गया। इन मिसाइलों को ले जाने वाले फाइटर जेट्स ने भारत के पश्चिमी और दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के विभिन्न ठिकानों से उड़ान भरी। इन हमलों में भारत ने पाकिस्तान के सिंध में एक हैंगर सहित महत्वपूर्ण ठिकानों को टारगेट किया। बताया जा रहा है कि इन सटीक हमलों में पाकिस्तान ने अपने कई यूएवी और एक एयर सर्विलांस प्लेन के अलावा कई महत्वपूर्ण उपकरण खो दिए। भारत की ओर से हमले इतने जोरदार थे कि पाकिस्तानी वायु सेना को नुकसान के कारण अपने विमानों को पीछे के ठिकानों पर ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह ऑपरेशन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान की देखरेख में हुआ।

एनएसए डोभाल की सलाह पर ब्रह्मोस मिसाइल को मुख्य हथियार के रूप में चुना गया। ब्रह्मोस का इस्तेमाल भारत की बढ़ती सैन्य क्षमताओं का एक मजबूत संकेत है। ब्रह्मोस एक लंबी दूरी की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, इस भारत और रूस ने मिलकर तैयार किया है। यह अपनी गति और सटीकता के लिए जानी जाती है। यह मिसाइल फायर एंड फॉरगेट सिद्धांत पर काम करती है।

यह लगभग मैक 3 की गति (ध्वनि की स्पीड से तीन गुना के आसपास) तक पहुंच सकती है और पूर्ण सटीकता के साथ 290 किलोमीटर तक के लक्ष्यों को बर्बाद कर सकती है।

इसकी टू-स्टेज प्रोपल्शन सिस्टम, स्टील्थ फीचर्स और एडवांस गाइडेंस टेक्नोलॉजी इसका पता लगाने और इसे रोकना बहुत ही मुश्किल बना देती हैं। ब्रह्मोस मिसाइल 300 किलोग्राम तक का पारंपरिक वारहेड ले जा सकती है और मिशन की आवश्यकताओं के आधार पर 15 किलोमीटर तक ऊंची या 10 मीटर तक नीची उड़ान भर सकती है।

'ऑपरेशन सिंदूर' खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने आतंकवाद के माथे पर खींच दी : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

भुज।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुजरात के भुज एयर बेस से भारतीय वायुसेना के जवानों को संबोधित करते हुए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को एक बार फिर चेताया और कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। जो कुछ भी हुआ, वह सिर्फ एक ट्रेलर मात्र था। जब सही समय आएगा, हम पूरी पिक्चर भी दुनिया को दिखाएंगे। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर सेना को सफलता की बधाई देते हुए कहा कि मैं बस इतना कहूंगा कि आपके पराक्रम ने यह दिखा दिया कि यह वो सिंदूर है, जो श्रृंगार का नहीं, बल्कि शौर्य का प्रतीक है। यह वो सिंदूर है, जो सौंदर्य का नहीं, बल्कि संकल्प का प्रतीक है। यह सिंदूर, खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने अब आतंकवाद के माथे पर खींच दी है। मैं इस अवसर पर, आप सभी के साथ-साथ, देश की जनता का भी आभार प्रकट करता हूं। भारत की जनता ने, एकजुटता और समझदारी का परिचय देते हुए, आपका सहयोग किया। इस लड़ाई में न केवल सरकार, आर्म्ड फोर्सेज और सुरक्षाबल एकजुट थे, बल्कि भारत का हर नागरिक, एक सिपाही की तरह इसमें भागीदार बना। उन्होंने कहा कि हम, हमारे आराध्य श्रीराम के उस मार्ग का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जिसमें वह आसुरी शक्तियों के विनाश का प्रण लेते हैं। 'निसिचर हीन करउँ महि, भुज उठाइ पन कीन्ह।' अर्थात जिस प्रकार भगवान राम ने, अपनी भुजाओं को उठाकर, धरती को राक्षस विहीन करने का प्रण लिया था। ठीक उसी प्रकार, प्रभु श्री राम के आदर्शों का पालन करते हुए, हमने भी आतंकवाद को, जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आपने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी बुनियादी ढांचे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है लेकिन, पाकिस्तान इस कोशिश में लग गया है कि ध्वस्त हुए आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा किया जाए। वहां की सरकार पाकिस्तानी आम लोगों से लिया गया टैक्स जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी जैसे मसूद अजहर को करीब 14 करोड़ रुपए देने में खर्च करेगी। जबकि वह यूएन से आतंकी घोषित हो चुका है। पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से प्राप्त धन का एक बड़ा हिस्सा अपने देश में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर खर्च करेगा, ऐसा मेरा मानना है। भारत चाहता है कि आईएमएफ पाकिस्तान को दिए जाने वाले वित्त पोषण पर पुनर्विचार करे, और आगे भी किसी भी तरह की सहायता देने से आईएमएफ परहेज करे। उन्होंने कहा कि आप सब तो जानते ही होंगे कि भारत में जब भी कोई उपद्रवी तत्व पैदा होता है, जिसको लेकर यह आशंका रहती है कि यह भविष्य में कुछ उपद्रव कर सकता है, तो उसको मजिस्ट्रेट एवं पुलिस द्वारा गुड बिहेवियर के प्रोबेशन पर रखा जाता है। अगर वह व्यक्ति प्रोबेशन के दौरान कोई भी शरारत करता है, तो उसे उचित दंड दिया जाता है। ठीक उसी तरह, वर्तमान सीजफायर में, हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर अभी प्रोबेशन पर रखा हुआ है। यदि उसका बिहेवियर सुधरता है, तब तो ठीक और यदि बिहेवियर में फिर से गड़बड़ी आती है, तो उसको कड़े से कड़ा दंड दिया जाएगा। मैं फिर से कह रहा हूं, पाकिस्तान को हमने प्रोबेशन पर रखा है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में एक बात बहुत साफ कही है कि आतंक पर प्रहार अब न्यू नॉर्मल है। ये न्यू इंडिया का न्यू नॉर्मल है।

भारत ने तुर्की की हर तरह मदद की, इसके बाद भी गद्दारी कर पाक का देने लगा साथ

नई दिल्ली। चौंकाने वाली बात यह है कि इस नापाक हरकत में पाकिस्तान का साथ देने के लिए उसका एक ऐसा 'दोस्त' आगे आया, जिसने भारत के सारे एहसानों को पल भर में भुला दिया। यह 'दोस्त' और कोई नहीं तुर्की था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। जिस देश ने कभी मुश्किल समय में भारत से मदद ली थी उसी ने आज हमारी सेना और आम लोगों को निशाना बनाने के लिए पड़ोसी मुल्क को ड्रोन और हथियार सप्लाई किए। तुर्की ने दोस्ती की सारी हदें पार कर दीं और साबित कर दिया कि उसके लिए भारत के साथ निभाए गए पुराने रिश्ते कोई मायने नहीं रखते। अब भारत में इस धोखे का जबरदस्त विरोध हो रहा है और हर भारतीय के मन में यही सवाल है कि क्या दोस्ती का यही सिला मिलता है?

भूकंप में भारत ने की थी खास मदद

फरवरी 2023 में तुर्की में आए बेहद भयंकर और महाविनाशकारी भूकंप में भारत मदद करने वाले पहले देशों में से एक था। इस दौरान भारत की ओर से 'ऑपरेशन दोस्त' चलाकर तुर्की के लोगों की मदद की थी। 'ऑपरेशन दोस्त' के तहत भारत ने तुर्की में जाकर न केवल लोगों को बचाया था बल्कि बड़ी तादाद में राहत सामग्री भी भेजी थी। इसके लिए भारतीय वायुसेना के सी-17 ग्लोबमास्टर विमान का भी उपयोग किया गया था। वहीं अब तुर्की की एहसान फरामोशी का जवाब देने भारत की जनता खुद सामने आ गई है और खुलकर तुर्की के उत्पादों का बायकॉट कर रही है।

तुर्की के सेबों का बायकॉट किया

गाजियाबाद के साहिबाबाद के फल विक्रेताओं ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान का सपोर्ट करने के लिए हमने तुर्की के सेबों का बायकॉट करने का फैसला लिया है। फल विक्रेताओं ने आगे कहा कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों से हम व्यापार नहीं करेंगे। वहां से अब सेब के साथ किसी अन्य फल का भी आयात नहीं किया जाएगा। अब हमने हिमाचल या फिर किसी अन्य भारतीय राज्य से सेब खरीदने का फैसला किया है। आमतौर पर भारत में तुर्की से हर साल 1,000 से 1,200 करोड़ रुपए के सेब आयात किए जाते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक तुर्की द्वारा पाकिस्तान का समर्थन किए जाने के कारण मार्बल उद्योग ने भी आयात को बायकॉट करने का फैसला किया है। इससे तुर्की को काफी आर्थिक चोट पहुंच सकती है।

तुर्की बायकॉट ट्रेंड कर रहा है

इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी तुर्की बायकॉट ट्रेंड कर रहा है और लोग तुर्की घूमने की अपनी योजनाओं को ठंडे बस्ते में डालने का मन बना चुके हैं। इस कारण से बड़ी संख्या में भारत से तुर्की जाने की बुकिंग रद्द हो रही हैं। भारत के शीर्ष उद्योग निकाय कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने सभी व्यापारियों और नागरिकों से तुर्की और अजरबैजान का बायकॉट करने की अपील की। 2024 में तुर्की में करीब 62.2 मिलियन विदेशी यात्री आए थे। इसमें से 3,00,000 के आसपास भारतीय थे।

सपा का रवैया राष्ट्रहित के खिलाफ है, वह जातिगत जहर फैलाने का कर रही प्रयास

-बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने समाजवादी पार्टी पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने समाजवादी पार्टी पर देश विरोधी और जातिवादी बयानों के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सपा का रवैया न केवल राष्ट्रहित के खिलाफ है, बल्कि यह समाज को बांटने और जातिगत जहर फैलाने का भी प्रयास कर रही है। भाटिया ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह के अपमान का मुद्दा उठाते हुए सपा नेतृत्व से जवाब मांगा और रामगोपाल के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। भाटिया ने कहा कि पाकिस्तान को हमने सबक सिखाया है, लेकिन दूसरी ओर समाजवादी पार्टी लगातार देश विरोधी बयानबाजी और अब जातिगत टिप्पणियों में लिप्त है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव को हमारी बहन, विंग कमांडर व्योमिका सिंह का नाम तक नहीं पता। वे उन्हें दिव्या सिंह कह रहे हैं। यह हमारी सेना और उसकी वीरांगना का अपमान है। सेना का कोई धर्म या जाति नहीं होती, केवल एक धर्म होता है और वह है भारत। फिर भी सपा बार-बार जाति की बात उठाकर समाज को बांटने का प्रयास कर रही है।

भाटिया ने कहा कि क्या अखिलेश यादव रामगोपाल यादव के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे? मुझे इसकी कोई उम्मीद नहीं है, क्योंकि सपा की मानसिकता ही देश विरोधी और समाज को तोड़ने वाली है।

सपा का यह रवैया इसलिए है, क्योंकि वे नहीं चाहते कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति करे। उन्होंने इंडिया गठबंधन पर भी तंज कसा। भाटिया ने कहा कि यह गठबंधन वास्तव में एक ठगबंधन था, जो भारत विरोधी मानसिकता की प्रयोगशाला में तैयार हुआ था। इसका एकमात्र उद्देश्य पीएम मोदी को गाली देना और देश को कमजोर करना था। इसमें न नीति थी, न नेतृत्व, न ही देशहित का कोई विजन।

उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक के विधायक मंजुना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सवाल उठाने को सेना के शौर्य का अपमान बताया। भाटिया ने कहा कि कांग्रेस और उसके नेताओं को भारतीय सेना पर भरोसा नहीं है। यह उनकी देश विरोधी मुहिम का हिस्सा है। भाटिया ने विपक्ष से अपील की कि वे अपना भारत विरोधी चश्मा उतारें और समाज को बांटने वाली राजनीति छोड़ें। उन्होंने कहा विपक्ष के नेताओं को इस तरह के बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए, अन्यथा जनता इसका जवाब देगी।

वजय शाह विवाद की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में अब 19 मई को

नई दिल्ली।

मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 19 मई निर्धारित की है। यह मामला अब न्यायिक रूप से और गंभीर होता जा रहा है। मंत्री विजय शाह ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर में भाग लेने वाली सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर एक विवादित और आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिस पर देशभर में आक्रोश देखने को मिला। मामला मध्यप्रदेश हाईकोर्ट तक पहुंचा, जहां कोर्ट ने विजय शाह पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। इस आदेश को चुनौती देते हुए विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान न्यायालय ने 19 मई 2025 तक मामले को स्थगित कर दिया है। कोर्ट ने याचिका की प्राथमिक सुनवाई के बाद अगली तिथि निर्धारित की, लेकिन कोई अंतरिम राहत या आदेश पारित नहीं किया। कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर लगातार हमलावर रुख अपनाया हुआ है और मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है। अब 19 मई को सुप्रीम कोर्ट यह तय करेगा कि हाईकोर्ट का एफआईआर दर्ज करने का आदेश स्थगित किया जाए या बनाम सुनवाई जारी रखी जाए।

एमपीएमएसयू का नया कारनामा, प्रश्नपत्र रद्द करने उठ रही मांग

नर्सिंग के पर्चे में पूछ लिया बेतूका सवाल!

जबलपुर।

अपने विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक को एक उचित कारण देते हुए परीक्षा तिथी बढ़ाने के लिए एक आवेदन पत्र लिखें। नर्सिंग के गुरुवार को हुए प्रश्न पत्र में मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (एमपीएमएसयू) प्रबंधन द्वारा पूछे गए इस सवाल से प्रदेश भर में बवाल मच गया हैं। नर्सिंग विद्यार्थियों ने इस प्रश्न को पाठ्यक्रम से बाहर का सवाल बताते हुए समूचा प्रश्न पत्र रद्द करने की मांग की हैं। इस संबंध में चिकित्सा शिक्षा मंत्री और अन्य जिम्मेदारों से भी शिकायत की जा रही हैं।

इतना गिर चुका हैं स्तर.....

नर्सिंग विद्यार्थियों का आरोप हैं कि इस तरह का प्रश्न यदि स्कूली स्तर के विद्यार्थियों पूछा गया होता तो बात समझ भी आती हैं लेकिन एमपीएमएसयू द्वारा इस तरह का सवाल नर्सिंग जैसे गंभीर विषय के प्रश्न पत्र में पूछा जाना न सिर्फ हास्यास्पद है बल्कि यह प्रश्न अपने आप में बताने काफी हैं कि विश्वविद्यालय का स्तर कितना गिर चुका हैं। नर्सिंग विद्यार्थियों का आरोप हैं कि इस सवाल के विकल्प में एक तरफ तो यह पूछा गया कि किसी नर्स को किसी वार्ड की रिकार्ड रिपोर्टिंग करते वक्त किस बात को ध्यान में रखना चाहिए। परीक्षार्थियों ने कहा कि यह सवाल नर्सिंग से जुड़ा होने की वजह से जवाब देने योग्य भी हैं लेकिन अरसे बाद विद्यार्थियों की मांग पर किसी तरह परीक्षाएं होने पर परीक्षा तिथी बढ़ाने आवेदन विद्यार्थियों को कहीं न कहीं ऐसा प्रतीत हुआ जैसे विश्वविद्यालय प्रबंधन उनका मखौल उड़ा रहा हो। इस संबंध में एमपीएमएसयू के वीसी अशोक खंडेलवाल एवं कुलसचिव डॉ. पुष्पेंद्र सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो पाया)

एपीवाई में महिलाओं की भागीदारी में तेजी से हो रहा इजाफा

अटल पेंशन योजना के 7.65 करोड़ हुए सब्सक्राइबर्स, 48 फीसदी महिलाएं

नई दिल्ली।

अटल पेंशन योजना के 7.65 करोड़ सब्सक्राइबर्स में से 48 फीसदी महिलाएं हैं। सरकार की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया है कि अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को मई 2015 में लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य देश के असंगठित क्षेत्र के लोगों को पेंशन का एक अच्छा और विश्वसनीय विकल्प देना था, जिससे रिटायरमेंट के बाद वे अपनी जिंदगी आराम से जी सकें। एपीवाई में पेंशन योजना में शामिल होने की आयु और अंशदान की राशि के आधार पर निर्भर करती है। इसका लक्ष्य मुख्य रूप से अनौपचारिक क्षेत्र के गरीब और वंचित श्रमिकों को पहुंचाना था और यह भारत में सबसे समावेशी और सुलभ सामाजिक सुरक्षा पहलों में उभरा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समाज कल्याण विभाग ने कहा कि अप्रैल 2025 तक एपीवाई से 7.65 करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबर्स जुड़े हैं, जिससे कुल 45,974.67 करोड़ रुपए की राशि एकत्रित हुई है। एपीवाई में महिलाओं की भागीदारी में तेजी से इजाफा हो रहा है। अब कुल सब्सक्राइबर्स में महिलाओं का शेयर 48 फीसदी हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में जुड़े नए सब्सक्राइबर्स में से 55 फीसदी से ज्यादा महिलाएं थीं। एपीवाई योजना शुरू में 18 से 40 साल की आयु के सभी भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध थी। अक्टूबर 2022 से आयकर का भुगतान करने वाले व्यक्ति इस योजना में शामिल होने के पात्र नहीं हैं। इस योजना के तहत सब्सक्राइबर्स को उनके अंशदान के आधार पर 60 साल की आयु में एक निश्चित मासिक पेंशन (1000, 2000, 3000, 4000 और 5000 रुपए प्रति माह) प्रदान की जाती है।

विभाग ने कहा कि अटल पेंशन योजना खासतौर पर भारत के असंगठित कार्यबल के लिए सामाजिक सुरक्षा इकोसिस्टम की आधारशिला बनकर उभरी है। करीब 7.65 करोड़ ग्राहकों और लगातार बढ़ती पेंशन राशि के साथ, यह योजना न केवल बुजुर्गों के लिए वित्तीय स्वतंत्रता तय करती है, बल्कि कम आय वाले परिवारों में दीर्घकालिक बचत को भी बढ़ावा देती है।

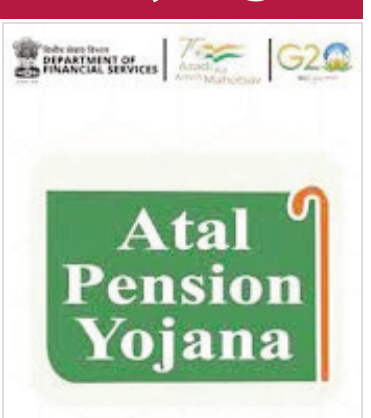

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं ह

(लेखक - ललित गर्ग/)

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है।

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया।

चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है।

चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है।

भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है।

भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। जाहिर बात है कि चीन ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वस्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी। प्रेषक:

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

नफरती बोल

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश की बहादुर सेना ने जब पाक को सबक सिखा, देश को गौरव का अहसास कराया तब नफरती ट्रोल सेना, नीचता की सीमा तक गिरती नजर आई। जिसके विरोध में देश में तीखे गुस्से की लहर देखी गयी। इस बिगड़ैल ट्रोल सेना ने ऑनलाइन गाली-गलौज करने में किसी को भी नहीं बख्शा। यहां तक कि सादगी के व्यक्तित्व व गरिमापूर्ण अभिव्यक्ति वाले विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक को नहीं छोड़ा। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा भी निशाने पर आए। यहां तक कि पहलगाम हमले में विधवा हुई हिमांशी नरवाल को भी नहीं बख्शा गया। इसकी वजह यह थी कि उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने और पहलगाम की घटना के बाद कश्मीरियों को निशाने पर न लेने का आह्वान किया था। निश्चित रूप से यह देश में सामाजिक समरसता के लिये वक्त की आवाज भी थी। लेकिन सबसे परेशान करने वाली घटना वह थी, जिसमें भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह ने बेसिर-पैर का सांप्रदायिक सोच वाला बयान दिया। दरअसल, इस सप्ताह की शुरुआत में मंत्री विजय शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रेस ब्रीफ देने वाली कर्नल सोफिया के बारे में चौंकाने वाली सांप्रदायिक टिप्पणी की थी। निश्चय ही देश के लिये महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला सैन्य अधिकारी के बारे में ऐसी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। मंत्री ने असंगत रूप से पहलगाम में आतंक फैलाने वाले आतंकवादियों से दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से साम्य दर्शाने का कुत्सित प्रयास किया। हालांकि यह टिप्पणी सोमवार को की गई थी, लेकिन मंत्री शाह के खिलाफ प्राथमिकी मुश्किल से बुधवार रात दर्ज की गई। वह भी शासन द्वारा स्वत- संज्ञान लेने के बजाय मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की सख्ती के बाद ही दर्ज की गई। हाईकोर्ट ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ 'गटर की भाषा' इस्तेमाल करने के लिए मंत्री शाह को फटकार लगायी। सही मायनों में हाईकोर्ट ने न केवल मंत्री को आईना दिखाया बल्कि तमाम बेलगाम बयानबाजी करने वालों को भी सख्त संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद जब आरोपी मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट से राहत के लिये गुहार लगायी तो सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें आड़े हाथ लिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को चेतावनी दी कि एक मंत्री को ऐसे समय में जिम्मेदारी की भावना के साथ बोलना चाहिए, जब देश चुनौतिपूर्ण स्थिति से गुजर रहा हो। फिर कोर्ट की सख्ती के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। उन्होंने फिर सफाई दी कि वह कर्नल कुरैशी का अपनी बहन से ज्यादा सम्मान करते हैं। लेकिन जैसे कमान से निकला तीर वापस नहीं लौटता है, उसी तरह उनकी अनर्गल बयानबाजी से जो नुकसान हो चुका था, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं है। इससे बड़ी विसंगति यह भी कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की तात्कालिक गंभीर पहल नहीं की। यह विडंबना ही है कि पार्टी नेतृत्व इंतजार का खेल खेल रहा है। वहीं दूसरी ओर आरोपी मंत्री अपने बचाव के लिये कानूनी विकल्पों को आजमाने में व्यस्त रहा है। दरअसल, भाजपा की राजनीतिक मजबूरी यह है कि जातीय समीकरणों के हिसाब से वे पार्टी के लिये महत्वपूर्ण हैं। वे उस राज्य में आदिवासी कल्याण मंत्री हैं जहां अनुसूचित जनजातियों की आबादी का पांचवां हिस्सा मौजूद है।

विभाजन की ओर बढ़ता पाकिस्तान?

(लेखक - सुरेश हिंदुस्तानी)

पाकिस्तान की ओर से भारत के पहलगांव में हुए आतंकी हमले के बाद आखिरकार युद्ध विराम हो गया है, लेकिन इस युद्ध विराम के बाद फिर से सवाल उठने लगे हैं कि क्या आतंक को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान पर विश्वास किया जा सकता है। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि पूर्व में ऐसा कहने के बाद भी हर बार पाकिस्तान की ओर से कश्मीर में आतंकी घटनाएं की जाती रही हैं। पहलगांव की घटना में आतंकवादियों ने निर्दोष 26 हिन्दु पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान पस्त हो गया। पाकिस्तान सरकार की ओर से युद्ध विराम के बारे में कहा गया कि इस समय पाकिस्तान को बचाने की जरूरत है। इस कथन का बहुत ही स्पष्ट आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अगर युद्ध जारी रहता तो पाकिस्तान नाम का देश इस धरती पर नहीं रहता। इसलिए पाकिस्तान ने अपने देश को बचाने के लिए ही यह रास्ता चुना। अमेरिका ने इस मामले में दखल देते हुए दोनों देशों के बीच सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की ओर से हमेशा यही कहा गया कि भारत आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अपना अभियान चला रहा है। इस मामले में विश्व के अधिकांश देश भारत के साथ खड़े होते दिखाई दिए, वहीं पाकिस्तान अकेला हो गया था। इससे पाकिस्तान निराश हो गया। इसके अलावा एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी माना जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर ग्रे सूची में आने का खतरा बढ़ता जा रहा था। एफएटीएफ की ओर से पाकिस्तान का ऐसी चेतावनी भी दे दी गई थी। अगर पाकिस्तान ग्रे सूची में आता तो उस पर कई प्रकार के प्रतिबंध लग सकते थे, जो पाकिस्तान के हित में नहीं होते। युद्ध विराम का एक बड़ा यह भी हो सकता है, क्योंकि आर्थिक रूप से बदहाल हो चुके पाकिस्तान को अब कर्ज भी मिल सकता है। जिसकी उसे बहुत आवश्यकता है।

अब पाकिस्तान, भारत की जवाबी कार्यवाही से बच गया। लेकिन पाकिस्तान के अंदर ही अंदर जो लावा सुलग रहा है। पाकिस्तान की सरकार को उससे बचने का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा है। भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान ब्लूचिस्तान ने अपनी आजादी की लड़ाई को जारी रखते हुए पाकिस्तान की सेना को अपना निशाना बनाया। यानी पाकिस्तान एक तरफ भारत से लड़ाई लड़ रहा था, वहीं दूसरी ओर उसे अपने ही देश में ब्लूचिस्तान की ओर से कड़ी चुनौती मिल रही थी। पाकिस्तान का आरोप था कि ब्लूचिस्तान को भारत भड़का रहा है। इसे इसलिए भी सच नहीं माना जा सकता, क्योंकि ब्लूचिस्तान ऐसी लड़ाई लम्बे समय से लड़ रहा है। अभी कुछ महीने पहले ही बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की ट्रेन को हाईजैक करके पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। अब यही कहा जा सकता है कि ब्लूचिस्तान शायद ही पाकिस्तान में रहे। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या पाकिस्तान विभाजन के रास्ते पर चल रहा है? क्योंकि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी ऐसी ही स्थिति दिखाई देती है। कई विशेषज्ञ यह दावा भी करते दिख रहे हैं कि पाकिस्तान चार टुकड़ों में विभाजित हो जाएगा। यह इसलिए भी कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के अंदर यही स्थिति बन रही है।

वर्तमान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने ही देश की जनता के निशाने पर हैं। इसके अलावा पाकिस्तान की सेना और सेना के साथ कदम मिलाने वाले आतंकी संगठन सरकार के युद्ध विराम वाले निर्णय से नाखुश हैं। इसका परिणाम क्या होगा, यह तो आने वाला समय ही बताने में समर्थ होगा। लेकिन यह पाकिस्तान की वास्तविकता है कि युद्ध जैसी स्थिति बनने के बाद सेना और आतंकियों ने सरकार के समक्ष गंभीर संकट पैदा किया है। यहां तक कि सेना ने सरकार को अपदस्थ करके खुद सत्ता का संचालन किया है। दूसरी बात यह भी है कि जंग के हालात पैदान करने के लिए पाकिस्तान की जनता सरकार और सेना प्रमुख को ही पूरी तरह से दोषी बता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने पहलगांव की घटना से तीन दिन पूर्व कहा था कि हिन्दू और मुसलमान एक साथ कभी नहीं रह सकते। इसके साथ ही यह भी कहा कि भारत का कश्मीर पाकिस्तान के गले की नस है। सेना प्रमुख का यह बयान मुसलमानों को भड़काने जैसा ही था। इसलिए पहलगांव की घटना को इसी बयान की प्रतिक्रिया स्वरूप माना जा रहा है।

पहलगांव की आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से आपरेशन सिन्दूर चलाकर पाकिस्तान स्थिति आतंकी शिविरों को नष्ट करके पाकिस्तान के आक्रमण की योजना को असफल कर दिया। भारत की ओर की गई जवाबी कार्रवाई में सौ से ज्यादा आतंकी मारे गए। यह पाकिस्तान के लिए जबरदस्त आघात ही था, क्योंकि पाकिस्तान की सरकार और सेना इन्हीं आतंकियों की दम पर भारत को आंखें दिखा रहा था। इसके अलावा पाकिस्तान के हर आक्रमण को भारत ने असफल कर दिया। जिसके बाद पाकिस्तान बेदम सा होता चला गया। अब हालांकि युद्ध विराम हो गया है, लेकिन सवाल यह भी है कि क्या पाकिस्तान पर विश्वास किया जा सकता है। विश्वास करना इसलिए भी कठिन सा लग रहा है, क्योंकि पाकिस्तान में जो आतंकी शिविर चल रहे हैं, उनमें केवल और केवल भारत के विरोध में नफरत का पाठ पढ़ाया जाता है। यह नफरती फौज भविष्य में भारत में आतंक फैलाने के लिए ही तैयार की जा रही है। पाकिस्तान अगर वास्तव में ही युद्ध विराम को लागू करना चाहता है तो उसे पाकिस्तान में चल रहे आतंकी शिविरों को समाप्त करना होगा। जब तक पाकिस्तान ऐसा नहीं करेगा। तब तक उस पर विश्वास करना कठिन ही है। खैर... कुछ भी हो, पाकिस्तान अंदर से तो टूट ही रहा है, अब युद्ध विराम के बाद वहां की सरकार, सेना और जनता अलग अलग राग अलाप रहे हैं। इसकी परिणति पाकिस्तान के लिए खतरनाक भी हो सकती है।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन-मनन)

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।

विचार मंथन

राफेल एक बार फिर चर्चाओं में

(लेखक-सनत जैन)

फ्रांस का राफेल विमान एक बार फिर चर्चाओं में आ गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच में आतंकवाद को लेकर सीज फायर होने के बाद राफेल विमान की गुणवत्ता और फ्रांस का भारत के साथ सहयोग ना करना राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चाओं का विषय बन गया है। भारत और फ्रांस के बीच हुई राफेल डील को एक समय पर भारत की सबसे बड़ी सामरिक मजबूती के रूप में प्रचारित किया गया था। हालिया घटनाक्रम और युद्ध के अनुभवों ने राफेल विमान में भारत सरकार और फ्रांस की सरकार के बीच में जो डील हुई है, उस पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये की लागत से भारत ने राफेल और मरीन राफेल विमान खरीदने का सौदा फ्रांस से किया है। इसके बावजूद भारत को सोर्स कोड जैसी महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी फ्रांस द्वारा भारत सरकार को नहीं दी जा रही है। फ्रांस की सरकार ने भारत सरकार को सोर्स कोड नहीं दिया। जिसके कारण नौ सेना के विमानों को अपग्रेड करने के जो परिणाम भारतीय सेना को मिलने थे, वह नहीं मिले। इलेक्ट्रॉनिक सोर्स कोड विमान की रीढ़ की हड्डी की तरह होता है।

सोर्स कोड नही मिलने की वजह से भारत स्वदेशी मिसाइलों को राफेल से सीधे इंटीग्रेट नहीं कर सकता है। जिससे युद्ध की स्थिति में समय, संसाधन और रणनीतिक लाभ भारतीय सेना को नहीं मिले, जो मिल सकते थे। यही गलती भारत सरकार ने मिराज 2000 की खरीद के समय भी की थी, जब फ्रांस ने कोड एक्सेस देने से इनकार कर दिया था। भारत को हर बार सिस्टम अपग्रेड के लिए फ्रांस पर निर्भर रहना पड़ता है। जिससे भारतीय सेना समय आने पर मुकाबले में पिछड़ जाती है। भारतीय सेना को हमेशा फ्रांस के ऊपर डिपेंड रहना पड़ता है। भारत सरकार को समय-समय पर बहुत सारा धन भी खर्च करना पड़ता है। फ्रांस की कथनी और करनी में अंतर सिर्फ तकनीक तक सीमित नहीं रहा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में फ्रांस ने भारत के विरोध के बावजूद पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन टीआरएफ के पक्ष में मतदान किया है। फ्रांस ने भारत को ऐसे समय पर धोखा दिया है। जब भारत को उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। भारत सरकार ने काफी महंगी कीमत में राफेल की विमान खरीदे हैं। पाकिस्तान के साथ हाल ही में हुए हमले मे राफेल विमान को लेकर तरह-तरह की खबरें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आ रही हैं। कहा जा रहा है, भारत और पाकिस्तान के बीच इस युद्ध में राफेल विमान का प्रदर्शन ठीक नहीं था। यह कहा जा रहा है, राफेल का एक विमान पाकिस्तान की सेना के विमान द्वारा गिरा दिया गया है। राफेल कंपनी के शेयर भी इस खबर के बाद 10 फ़ीसदी से ज्यादा गिर गए हैं। राफेल विमान को लेकर एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट में सुरक्षा कारणों से सरकार द्वारा राफेल सौदे के संबंध में लिफाफे में बंद जानकारी दी, जो आज भी लिफाफे में बंद है। ऐसी स्थिति में फ्रांस और राफेल को लेकर एक बार फिर विवाद राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है। राफेल को लेकर अभी तक भारत सरकार ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। दुनिया भर के अखबारों में राफेल विमान को लेकर जो बातें लिखी जा रही हैं, और जो बातें सामने आ रही हैं। उससे निश्चित रूप से जहां सरकार की मुश्किलें बढ़ेगी। वहीं भारतीय सेना पर राफेल की तुलना में और बेहतर तकनीकी के विमान खरीदने का दबाव बन गया है। भारत के सीमावर्ती देशों के साथ संबंध मधुर नहीं रहे। हाल ही के पाकिस्तान के साथ हुए हमले में जिस तरह से पाकिस्तान को अमेरिका और चीन जैसी महाशक्ति का समर्थन मिला है। इस लड़ाई में भारत अलग-थलग पड़ गया है। सरकार और भारतीय वायुसेना को इस समय सजग रहने की जरूरत है। सुरक्षा कारणों से भले सरकार सेना की जानकारी सार्वजनिक ना कर रही हो।

सेना को मजबूत बनाने और फ्रांस के साथ रिश्तो को लेकर भारत सरकार को पुनर्विचार करने की जरूरत है। आगे जो भी रक्षा सौदे सरकार करें, उसमें तकनीकी और सोर्स कोड को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जेएसडब्ल्यू एनर्जी का मुनाफा 20.05 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई।

विद्युत उत्पादक कंपनी जेएसडब्ल्यू एनर्जी का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सकल मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 345.27 करोड़ रुपये के मुकाबले 20.05 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 414.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उसे 414.51 करोड़ रुपये का सकल मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 345.27 करोड़ रुपये के मुकाबले 20.05 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 2,879.35 करोड़ रुपये से 21.5 प्रतिशत बढ़कर 3,497.39 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह उसका कुल व्यय भी 2,547.28 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,142.05 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री बुकिंग में 21.5 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य

कंपनी के मुनाफे में 101.2 करोड़ रुपये की वृद्धि

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अपने बिक्री बुकिंग 21.5 प्रतिशत बढ़ाकर 12,500 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है। इसके` लिए कंपनी ने कई आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना बनाई है। सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन ने कहा` कि वित्त वर्ष 2024-25 हमारे व्यवसाय संचालन के सभी पहलुओं में असाधारण रूप से सफल रहा है। निवेशक प्रस्तुति के अनुसार गुरुग्राम स्थित कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बिक्री बुकिंग (प्री-सेल) के लिए 12,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य तय किया है। सिग्नेचर ग्लोबल ने वित्त वर्ष 2025-26 में बिक्री में 20 प्रतिशत की वृद्धि करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने अपने लंबी अवधि के उद्देश्य को बनाए रखने की भी बात की। सिग्नेचर ग्लोबल ने समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में अपनी बिक्री बुकिंग को 42 प्रतिशत बढ़ाकर रिकॉर्ड 10,290 करोड़ रुपये तक पहुंचाया। कंपनी के मुनाफे में भी 101.2 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। यह उनके व्यापक विस्तार और मांग की मजबूती को दर्शाता है। सिग्नेचर ग्लोबल का यह उद्यम रियल एस्टेट उद्योग में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने गुरुग्राम में कई परियोजनाएं विकसित की हैं और कई और निर्माणाधीन हैं, जो अगले वर्षों में उनके लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगी।

भारत और अमेरिका के बीच नया व्यापार समझौता की पेशकश

भारत ने कहा, मूल रूप से अमेरिकी वस्तुओं पर कोई टैरिफ लागू न करे

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की पेशकश की है। इस समझौते में भारत ने मूल रूप से अमेरिकी वस्तुओं पर कोई टैरिफ लागू न करने की पेशकश की है। ट्रंप ने कहा कि भारत ने एक बेहतर सौदा पेश किया है जिसमें टैरिफ शामिल नहीं है। इसके साथ ही ट्रंप ने एप्पल के सीईओ टिम कुक से भारत में और अधिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की योजना पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इन प्लांट्स के निर्माण पर ट्रंप ने विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के बारे में चर्चाएं शुरू हो गई हैं, जिनमें 2025 तक समझौते को पूरा करने की योजना है। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते के माध्यम से भारत-अमेरिका के आर्थिक संबंधों को मजबूत और विस्तारित करने का काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप ने मिशन 500 की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य 2030 तक भारत-अमेरिका के बीच व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक बढ़ाना है। यह नया समझौता दोनों देशों के व्यापार संबंधों के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एयरटेल ने दुनिया का पहला फ्रॉड डिटेक्शन सॉल्यूशन किया लॉन्च

अब रियल टाइम में सभी कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म्स - ईमेल, ओटीटी और एसएमएस पर ब्लॉक होंगे फ्रॉड वेबसाइट्स

इन्दौर।

स्पैम के खिलाफ अपनी लगातार लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए, एयरटेल ने एक अत्याधुनिक समाधान लॉन्च किया है, जो सभी कम्युनिकेशन ओवर - द - टॉप (ह्लञ्ज्ञ) ऐप्स और प्लेटफॉर्म्स- जैसे ईमेल, ब्राउज़र, व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एसएमएस आदि, पर फ्रॉड और मैलिशियस वेबसाइट्स को रियल टाइम में पहचान कर ब्लॉक कर देगा। यह सुरक्षित सेवा सभी एयरटेल मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहकों के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के स्वचालित रूप से सक्रिय कर दी जायेगा द्य जब कोई ग्राहक ऐसी वेबसाइट खोलने की कोशिश करता है, जिसे एयरटेल की सिक्योरिटी सिस्टम ने 'मैलिशियस' के रूप में फ़्लैग किया है, तो उस वेबसाइट का पेज लोड नहीं होता, इसके बजाय, ग्राहक को एक नए पेज पर रीडायरेक्ट किया जाता है, जहां ब्लॉक किए जाने का कारण स्पष्ट रूप से बताया जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के देशभर में तेजी से विस्तार के चलते ऑनलाइन फ्रॉड का खतरा हर दिन बढ़ रहा है, जिससे उपभोक्ताओं पर गंभीर जोखिम मंडरा रहा है। हाल के दिनों में ऐसे खतरों में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। फ्रॉड स्कीमें अब केवल ओटीपी या फर्जी कॉल तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि हालिया रिपोर्ट्स बताती है कि लाखों लोग अब मैलिशियस ऑनलाइन स्कैम्स का शिकार हो रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, एयरटेल ने एक एआई -आधारित, मल्टी-लेयर इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जो ग्राहकों को सभी प्रकार के स्कैम और फ्रॉड से सुरक्षा प्रदान करेगा। यह अत्याधुनिक थ्रेट डिटेक्शन सिस्टम सभी प्लेटफॉर्म्स पर डोमेन फ़िल्टरिंग करेगा और डिवाइसेज़ पर इन लिंक्स को ब्लॉक करेगा। इस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डाइरेक्टर गोपाल विट्टल ने कहा, ÷पिछले कुछ वर्षों में हमने कई ऐसे मामले देखे, जहां खतरे से अंजान ग्राहकों को चतुर अपराधियों ने उनकी मेहनत की कमाई को ठगा। हमारे इंजीनियरों ने इस समस्या का हल खोजने के लिए फ्रॉड डिटेक्शन सॉल्यूशन तैयार किया है। हमें विश्वास है कि यह समाधान हमारे ग्राहकों को इंटरनेट ब्राउज़ करते समय सुरक्षा का पूरा भरोसा देगा और स्कैम का डर खत्म करेगा।

टेलीकॉम वार में जियो निकला एयरटेल से आगे, कई मामलों में बेहतर

मुंबई।

देश की दो प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों एयरटेल और रिलायंस जियो के बीच प्रतिस्पर्धा तेज होती जा रही है। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में भारती एयरटेल ने मामूली 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 36,735 करोड़ रुपये का राजस्व पाया। वहीं, जियो ने इसी अवधि में 2.3 प्रतिशत की तिमाही दर तिमाही वृद्धि के साथ बेहतर प्रदर्शन किया है। राजस्व के अलावा भी कई प्रदर्शन मापदंडों पर जियो ने एयरटेल को पीछे छोड़ दिया है। बीते एक साल में जियो ने जहां 20.6 मिलियन नए यूजर्स जोड़े, वहीं एयरटेल सिर्फ 4.3 मिलियन ग्राहक ही जोड़ सकी। इसके साथ जियो का कुल ग्राहक आधार 488.2 मिलियन तक पहुंच गया है, जबकि एयरटेल अभी 424 मिलियन यूजर्स तक ही सीमित है। ग्राहक जुड़ाव यानी कस्टमर एंगेजमेंट के मामले में भी जियो ने बाजी मारी है। जियो का प्रति ग्राहक औसत डेटा उपयोग सालाना 17.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33.5 जीबी प्रति माह हो गया है, जबकि एयरटेल का यह आंकड़ा सिर्फ 11.1 प्रतिशत बढ़त के साथ 25.1 जीबी तक पहुंच सका है। वॉइस यूसेज में भी जियो आगे निकल गया है। एयरटेल को जहां सालाना सिर्फ 0.4 प्रतिशत की वृद्धि मिली, वहीं जियो ने 3 प्रतिशत की दर से ग्रोथ दर्ज की। ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड लाइन सेगमेंट में जियो का प्रदर्शन और भी प्रभावशाली रहा है। वित्तीय साल 25 में जियो ने 6.4 मिलियन नए घरों को फिक्स्ड लाइन सेवा से जोड़ा, जबकि एयरटेल इस मामले में 2.4 मिलियन तक ही सीमित रह गया। फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) कैटेगरी में भी जियो का दबदबा दिखा। इस क्षेत्र में जियो ने 5 मिलियन नए कस्टमर्स को जोड़ा है, जबकि एयरटेल सिर्फ 1.1 मिलियन नए ग्राहक ही जोड़ पाया।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली वाली रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 अंक नीचे आकर 82,330.59 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 42.30 तकरीबन 0.17 फीसदी टूटकर 25,019.80 पर बंद हुआ.

आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज ऑटो, अदानी एंटरप्राइजेज, टाटा कंज्यूमर, इटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि भारती एयरटेल, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंफोसिस, एसबीआई, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर गिरे। वहीं बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.8 फीसदी की तेजी रही जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में 1 फीसदी की बढ़त रही। सेक्टरों में मीडिया, पावर, पीएसयू, रियल्टी, कैपिटल गुड्स इंडेक्स में 1-1.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि आईटी इंडेक्स करीब एक फीसदी नीचे आया।

इससे पहले आज सुबह बाजार सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन गिरावट के साथ खुला। शुरुआत कारोबार में आईटी, वित्तीय सेवाओं और फार्मा सेक्टर में बिकवाली रही। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 231.64 अंक की गिरावट के साथ 82,299.10 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 49.95 अंक की गिरावट के साथ 25,012.15 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 52.40 अंक की गिरावट के साथ 55,303.20 पर कारोबार कर रहा था।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 169.20 अंक की बढ़त के साथ 56,700.05 पर कारोबार कर रहा था केवल निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 78.45 अंक फीसदी बढ़कर 17,318.40 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में चीन, हांगकांग और जापान लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि बैंकॉक, जकार्ता और सियोल हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। वहीं अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 271.69 अंक की बढ़त के साथ 42,322.75 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 24.35 अंक की बढ़त के साथ 5,916.93 पर बंद हुआ और नैस्डैक 34.49 अंक की गिरावट के साथ 19,112.32 पर बंद हुआ।

जापान की अर्थव्यवस्था की वार्षिक वृद्धि दर घटकर 0.7 प्रतिशत

तोक्यो।

जापान की अर्थव्यवस्था की वार्षिक वृद्धि दर 2025 की पहली तिमाही में घटकर 0.7 प्रतिशत रह गई। मंत्रिमंडल कार्यालय के शुक्रवार को जारी मौसमी रूप से समायोजित प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, जापान का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद जनवरी-मार्च में अक्टूबर दिसंबर 2024 की तुलना में अपेक्षा से अधिक 0.2 प्रतिशत सिकुड़ गया। एक साल में पहली बार इसमें संकुचन दर्ज किया गया। जापान की अर्थव्यवस्था 2024 की अंतिम तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 2.4 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ी थी। निर्यात में 2.3 प्रतिशत की वार्षिक दर से गिरावट आई। उपभोक्ता व्यय स्थिर रहा, जबकि पूंजी निवेश में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अमेरिकी शुल्क से जापान के बड़े निर्यातकों, खास तौर पर मोटर वाहन विनिर्माताओं को नुकसान होने की आशंका है। न केवल जापान से भेजे जाने वाले उत्पादों के लिए, बल्कि मेक्सिको और कनाडा जैसे अन्य देशों से भीज। अधिकारियों ने माना कि प्रतिक्रिया की योजना बनाना एक चुनौती है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना रुख बदलते रहते हैं।

तुर्की के खिलाफ देशभर में उठी मांग, सेब से लेकर सभी वस्तुओं के आयात पर तत्काल लगे रोक

नई दिल्ली।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के 11 एयरबेस को तबाह कर दिया। इस ऑपरेशन सिंदूर ने तुर्की, चीन जैसे दुश्मनों की पहचान भारत को करा दी। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ तुर्की ने पाकिस्तान का खूब साथ दिया। जिसके बाद अब भारत में तुर्की के विरोध में स्वर उठने लगे हैं। भारत के कई संगठनों और लोगों ने तुर्की और वहां की वस्तुओं और सेवाओं को बैन करने की मांग की है। सेब के आयात पर रोक लगाने की मांग उसमें से एक है। यदि ऐप्पल इंपोर्ट पर बैन लगता है, तब तुर्की को 1000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है।

हिमालयी सेब उत्पादक किसानों के संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तुर्की से सेब आयात पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की है। संगठन का मानना हैं कि लगातार बढ़ते तुर्की से सेब आयात ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के बागवानों को आर्थिक संकट में डाल दिया है। तुर्की से सेब आयात में साल दर साल वृद्धि हुई है और अब यह भारतीय बागवानों को तगड़ा कॉम्पीटिशन दे रहा है। उदाहरण के तौर पर वितीय साल 2023-24 में तुर्की से आयातित सेब का मूल्य 821 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इससे लोकल सेब की कीमतों में गिरावट आई है, जिससे बागवानों को लागत मूल्य भी प्राप्त नहीं हो पा रहा है। संगठन ने केंद्र सरकार से तुर्की से सेब के आयात पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इसके साथ ही अन्य देशों से आयातित सेब पर न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) लागू करने की मांग भी की गई

है। संगठन ने चेतावनी दी कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तब देश के पारंपरिक सेब उत्पादक क्षेत्र गंभीर संकट का सामना कर सकते हैं। बता दें कि फरवरी 2023 में तुर्की में आए महाविनाशकारी भूकंप के बाद भारत मदद करने वाले पहले देशों में से एक था। इस दौरान भारत की ओर से 'ऑपरेशन दोस्त' चलाकर तुर्की के लोगों की मदद की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान घटाकर 6.3 प्रतिशत किया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि अनुमान को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने हाल ही में 2025 के मध्य तक विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की। इसमें उसने कहा कि भारत, अनुमानित नरमी के बावजूद लचीले उपभोग तथा सरकारी व्यय के सहारे सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग (डीईएसए) के आर्थिक विश्लेषण एवं नीति प्रभाग की वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा के आर्थिक मामलों के वरिष्ठ अधिकारी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा` कि भारत मजबूत निजी खपत तथा सार्वजनिक निवेश के बल पर सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है, भले ही 2025 में वृद्धि अनुमानों को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है` कि मजबूत निजी खपत तथा मजबूत सार्वजनिक निवेश के साथ-साथ मजबूत सेवा निर्यात आर्थिक वृद्धि को समर्थन देगा। इससे पहले इस साल जनवरी में प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावना रिपोर्ट में विश्व संस्थान ने भारत की वृद्धि दर के 2025 में 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। वहीं 2026 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आधारित वृद्धि के 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

आरबीआई आगामी महीनों में कर सकता है रेपो रेट में कटौती

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आने वाले महीनों में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। सूत्रों से` मिली जानकारी के मुताबिक जून से दीपावली (20 अक्टूबर) तक रेपो रेट में कुल 0.50 फीसदी की कटौती की संभावना है। इस कटौती का सीधा असर होम लोन, कार लोन और अन्य कर्जों की ईएमआई को भी प्रभो वित करेगा। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक 4 से 6 जून के बीच होने वाली है, जिसमें 0.25 फीसदी की कटौती लगभग तय मानी जा रही है। इसके बाद 5 से 7 अगस्त या फिर 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच होने वाली बैठक में एक और 0.25 फीसद ी की कटौती की संभावना है। रेपो रेट में अब तक 0.50 फीसदी की कटौती हो चुकी है। आरबीआई ने इस वर्ष फरवरी से दरों में कटौती शुरू की थी और अब तक दो बैठकों में कुल 0.50 फीसदी की कटौती कर रेपो रेट को 6 फीसदी तक ला चुका है। यदि आगामी दो बैठकों में और कटौती होती है, तो यह दर और सस्ती हो जाएगी, जिससे उद्योगों को किफायती दरों पर कर्ज मिलेगा और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। एसबीआई सिक्योरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि रेट कट के लिए सभी आर्थिक कारक अनुकूल हैं। महंगाई काबू

में है, मानसून सामान्य रहने के संकेत हैं और जीडीपी स्थिर बनी हुई है। खुदरा महंगाई जुलाई 2019 के बाद सबसे निचले स्तर पर है। ऐसे में ब्याज दरों में कटौती की पूरी संभावना है।

भारत की निर्यात क्षमता वित्त वर्ष 2024-25 में 50 प्रतिशत से अधिक

इंजीनियरिंग उत्पादों की सबसे अधिक 26.67 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

भारत की निर्यात क्षमता इस वित्त वर्ष में कृषि, औषधि, इलेक्ट्रॉनिक और इंजीनियरिंग सामानों की हिस्सेदारी में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि करते हुए जारी है, जैसे कि सरकारी आंकड़े दर्शाते हैं। इस महत्वपूर्ण वृद्धि के दौरान, इंजीनियरिंग उत्पादों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो सबसे अधिक 26.67 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं। उन्हें खासी वृद्धि की गई है और इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय उत्पादों की मांग वृद्धि कर रही है। इलेक्ट्रॉनिक सामानों के क्षेत्र में भी 32.46 प्रतिशत की वृद्धि शानदार है, जो अमेरिकी डॉलरों में वृद्धि करके 38.58 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। इस बड़ी वृद्धि के साथ बाजारों में भारतीय उत्पादों की मांग और पसंद दिखा रही है। दवाएँ और औषधि का निर्यात भी बढ़ रहा है, जिससे भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं। कृषि सेक्टर में भी अच्छी वृद्धि देखने को मिल रही है, जैसे कि चावल, सब्जियों, फलों और समुद्री उत्पाद का निर्यात बढ़ रहा है। चीन, यूएई, बांग्लादेश और थाईलैंड जैसे देश इसके मुख्य आयातक हैं, जो भारत के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ा रहे हैं। इसी तरह, भारत ने चाय, कॉफी, तंबाकू और अन्य उत्पादों का भी वृद्धि दर्ज की है, जिससे उसका निर्यात मानक संभाले रखने में मदद मिलेगी। इस वृद्धि के साथ भारतीय उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय मांग और महत्व और बढ़ चुकी है, जिससे भारत के निर्यात क्षमता में सुधार हो रहा है।

इंडिगो एयरलाइंस भी अब तुर्की के साथ कोडशेयर साझेदारी को लेकर निशाने पर

लोगों ने सोशल मीडिया पर एयरलाइन से तुर्की के साथ समझौता तोड़ने की अपील की

नई दिल्ली।

तुर्की द्वारा पाकिस्तान को मदद करने के बाद से ही भारत में 'बॉयकाट तुर्की' अभियान चल पड़ा है। तुर्की ने पाकिस्तान को हथियार सप्लाई किए, इसके बाद से देशभर में तुर्की के खिलाफ नाराजगी और गुस्सा है। इंडिगो एयरलाइंस भी अब तुर्की एयरलाइंस के साथ अपने कोडशेयर साझेदारी को लेकर निशाने पर आ गई है। बहुत से लोगों ने सोशल मीडिया के माध्यम से एयरलाइन से तुर्की एयरलाइंस के साथ अपने इस समझौते को तोड़ने की अपील की है। यही वजह है कि अब इंडिगो को अब अपने इस समझौते के बचाव में खुलकर सामने आना पड़ा है। इंडिगो ने दलील दी है कि यह समझौता भारतीय यात्रियों और इंडियन इकोनॉमी, दोनों के लिए फायदेमंद है। कोडशेयर समझौता ऐसा एग्रीमेंट है जिसमें दो या दो से अधिक एयरलाइंस एक ही उड़ान के लिए एक ही विमान का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन प्रत्येक एयरलाइन अपनी ब्रांडिंग और टिकट बिक्री करती है। इंडिगो और तुर्की एयरलाइंस के बीच कोडशेयर समझौता एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत यात्री दोनों एयरलाइनों में से किसी के माध्यम से टिकट बुक करके साझा गंतव्यों के नेटवर्क में उड़ान भर सकते हैं। इं डिगो ने एक बयान जारी कर कहा कि यह साझेदारी भारतीय यात्रियों और देश की अर्थव्यवस्था, दोनों के लिए फायदेमंद है। एयरलाइन ने बताया कि भारत और तुर्किये के बीच हुए द्विपक्षीय एयर सर्विस एग्रीमेंट के तहत दोनों देशों की एयरलाइंस को सप्ताह में 56 फ्लाइट्स तक संचालित करने की अनुमति है। एयरलाइन ने जोर दिया कि यह व्यवस्था खासतौर पर कोविड महामारी के बाद बढ़े हुए अंतरराष्ट्रीय किरायों के बीच भारतीय यात्रियों को सस्ता और सुगम विकल्प देती है। खासकर छोटे शहरों से दो स्टॉप कनेक्शन के जरिए उड़ान भरने वालों के लिए। इंडिगो ने कहा` कि कोडशेयर ने इंडिगो को यूरोप और अमेरिका के लंबी दूरी वाले बाजारों में अपनी उपस्थिति बनाने में मदद की है। यह भविष्य में आत्मनिर्भरता की नींव रखता है। हालांकि सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस साझेदारी पर नाराज़गी जाहिर की है और इंडिगो से तुर्की एयरलाइन से दूरी बनाने की मांग की है।

अल्काटेल धमाकेदार वापसी करने के लिए तैयार

नई दिल्ली।

भारतीय स्मार्टफोन बाजार में अल्काटेल कंपनी अपनी धमाकेदार वापसी करने के लिए तैयार है। अल्काटेल का प्रथम स्मार्टफोन अल्काटेल वी3 अल्ट्रा 27 मई को लॉन्च किया जाएगा। कंपनी ने लॉन्च डेट की पुष्टि कर दी है। अल्काटेल की भारतीय वापसी का नेतृत्व कर रहे माधव सेठ ने इस फोन की पहली झलक एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शेयर की थी, जिसमें फोन के ब्लैक बॉक्स वेरिएंट की तस्वीर भी दिखाई गई थी। अल्काटेल वी3 अल्ट्रा को एक आई-कम्फोर्ट डिस्प्ले और पेन सपोर्ट जैसे यूनिक फीचर्स के साथ पेश किया जाएगा। कंपनी ने अपने लॉन्च पोस्टर से फोन के बैक डिज़ाइन की भी जानकारी दी है, जिसमें सर्कुलर कैमरा मोड्यूल और तीन कैमरा सेंसर के साथ एक एलईडी फ्लैश नजर आता है। इसके अलावा, रियर साइड पर पावर बटन, वॉल्यूम रॉकर और एक एक्स्ट्रा बटन भी दिखाई दे रहा है, जो शायद नेक्स्टपेपर की की तरह काम करेगा। फोन के फ्रंट में सेंटर पंच-होल डिस्प्ले दिया गया है और बॉक्स पर स्टाइलस का सिल्हूट भी नजर आ रहा है, जिससे स्टाइलस सपोर्ट की पुष्टि हो चुकी है। इसके साथ ही, फोन में रीड, वॉच, स्क्रॉल और क्रेट जैसे मल्टीपल मोड्स का सपोर्ट मिलेगा। अल्काटेल वी3 अल्ट्राको प्रीमियम फीचर्स के साथ मिड-रेंज या प्रीमियम सेगमेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जो मोटोरोला एग्ज 50 स्टालस का एक मजबूत विकल्प बन सकता है।

अल्काटेल इंडिया के अनुसार, यह स्टाइलस यूजर्स को स्केचिंग, हाइलाइटिंग, नोट्स लिखने और डिजिटल साइन जैसी सुविधाएं प्रदान करेगा, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह स्टाइलस बॉक्स में मिलेगा या अलग से खरीदा जाएगा।अल्काटेल वी3 अल्ट्राकी ईवायई- कम्फर्ट डिस्प्ले तकनीक यूजर्स को आंखों को कम थकान के साथ बेहतर व्यूइंग एक्सपीरियंस देने का वादा करती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जब मैच के दौरान जडेजा और रैना में हुई झड़प

मुम्बई।

क्रिकेट मुकाबलों में कई बार विवाद भी देख जाते हैं। आम तौर पर मैच में विरोधी टीमों के खिलाड़ियों में विवाद होता है पर कभी-कभी एक ही टीम के खिलाड़ी आपस में लड़ने लगते हैं। ऐसा ही एक मामला एकदशक से कुछ पहले साल 2013 में देखा गया था। तब वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में किसी बात पर रवींद्र जडेजा और सुरेश रैना में बहस हो गयी थी। तब जडेजा गेंदबाजी कर रहे थे। उनकी गेंद पर सुनील नरेन ने चौका लगाया पर गेंद सुरेश रैना के हाथों में आकर फिसल गयी। इस प्रकार कैच छूटने से जडेजा नाराज हो गये और उनकी रैना से बहस शुरु हो गयी। फिर विराट कोहली और इशांत शर्मा ने किसी प्रकार मामला हल कराया। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 311 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 102 रनों से हार गयी।

आईपीएल में आज केकेआर को हराकर प्लेऑफ में पहुंचने उतरेगी आरसीबी

बेंगलुरु।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले शनिवार से फिर शुरु हो रहे है। इसमें पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच टक्कर होगी। इस मैच में आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है क्योंकि उसका प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी। वहीं दूसरी ओर गत विजेता केकेआर के 12 मैचों में 11 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है और ऐसे में अगर ये मुकाबला वह हारती है या बारिश के कारण ये रद्द होता है तो वह प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर भी इस मैच में सभी की नजरें रहेंगी। विराट ने इसी सप्ताह टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। विराट ने 9 मई को इस सत्र के स्थगित होने से पहले काफी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 500 से अधिक रन बनाये हैं और वह ऑरेंज कैप के प्रबल दावेदार हैं। ऐसे में प्रशंसक चाहेंगे कि वह इस मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी करें। केकेआर की टीम लगातार दो जीत के साथ इस मैच में उतरेगी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस सिलसिले को बनाये रखना होगा। दोनों टीमों पर नजर डालें तो आसीबी के जीतने की अधिक संभावना है। इस मैच के पहले कप्तान रजत पाटीदार के फिट होने से आरसीबी प्रबंधन ने राहत की सांस ली है। आरसीबी के अधिकतर विदेशी खिलाड़ी भी उससे जुड़ गये हैं। फिल साल्ट, लुंगी एनगिडी, टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टोन और रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी टीम के लिए उपलब्ध हैं हालांकि। देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के चोटिल होने के कारण बाहर होने से उसे झटका लगा है। आरसीबी ने पडिक्कल की जगह मयंक अग्रवाल को शामिल किया है। वहीं मैच में हालांकि सबकी नजरें कोहली पर होगी। स्टेडियम में भी दर्शक उन्हें खेलते

हुए देखना चाहेंगे। ऐसे में इस मैच में विराट के प्रशंसक आरसीबी की जगह टेस्ट की सफेद जर्सी में नजर आयेंगे। दूसरी ओर केकेआर की राह बेहद कठिन है। कप्तान आजिंक्य रहाणे की टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कमजोर नजर आयी है। कप्तान रहाणे और अंगकृष रघुवंशी के अलावा को भी बल्लेबाज सत्र में लगातार रन नहीं बना पाया है। टीम के लिए ये मैच इस पार या उस पार वाला है इसलिए उसके सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टिम, शेफर्ड आरसीबी से जुड़े

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बचे हुए सत्र के लिए दो विदेशी खिलाड़ी टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से जुड़ गये हैं। आरसीबी का मुकाबला शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। टिम के आने से आरसीबी को मध्यक्रम को एक अच्छा बल्लेबाज मिलेगा। शेफर्ड हालांकि कितने मैच खेल पायेंगे ये तय नहीं है। शेफर्ड को अब आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ इस माह के अंत में होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किया है। ऐसे में वह प्लेऑफ शायद ही खेल पायें। इन दोनो के अलावा जैकब बेथेल, लियाम लिविंगस्टोन और फिल साल्ट भी टीम से जुड़ गये हैं। साल्ट का प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है। लिविंगस्टोन अपनी आक्रामक बल्लेबाजी स्पिन गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, उन्हें अंतिम मैचों में जगह मिल सकती है। वहीं बेथेल केवल दो मैच खेल सकेंगे। इसमें 23 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ घरेलू मैच भी शामिल है। वह इसके बाद इंग्लैंड जाकर राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलेंगे। इससे साफ है कि वह 27 मई को

लखनऊ में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अंतिम लीग मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। आरसीबी के दो विदेशी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और लुंगी एनगिडी आईपीएल में आगे नहीं खेलेंगे। हेजलवुड चोटिल हैं और उनका इलाज चल रहा है हालांकि उनकी चोट गंभीर नहीं है। वहीं एनगिडी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के कारण इस लीग में अब नहीं खेल पायेंगे। एनगिडी को इस खिताबी मुकाबले के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल किया गया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल अगले माह 11 जून से शुरु होगा।

आईपीएल के बचे मैचों के लिए नहीं लौट रहे स्टार्क, कैपिटल्स को झटका

मेलबर्न।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क इंडियन प्रीमियर लीग ने (आईपीएल) के बचे हुए मैचो के लिए भारत लौटने से इंकार कर दिया है। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स को करारा झटका लगा है। स्टार्क ने कैपिटल्स को दिये अपने संदेश में कहा कि अब वह आगे नहीं खेल पायेंगे। आईपीएल को 9 मई को पाकिस्तान के ड्रोन हमलों के बीच ही स्थगित कर दिया गया था। वहीं बीसीसीआई ने संघर्ष विराम के बाद सरकार से अनुमति मिलने के बाद इसे फिर से शुरु किया है। स्टार्क ने सत्र के स्थगि होने से पहले कैपिटल्स के लिए सबसे अधिक 14 विकेट लिए थे। ऐसे में प्लेऑफ में जगह पक्की करने का प्रयास कर रही दिल्ली के लिए उनका नहीं होना एक करारा झटका होगा। वहीं स्टार्क की पत्नी और महिला क्रिकेटर एलिसा हीली ने 8 मई को याद करते हुए बताया कि जब पड़ोसी शहरों में ड्रोन हमले के सायरन बजने के कारण धर्मशाला में पंजाब किंग्स के साथ मैच बीच में ही रद्द कर दिया गया था तो सभी डरे हुए थे। एलिसा ने 'कहा, ''बिजली के कुछ टावर की बत्ती बुझ गई और हम बस वहीं इंतजार कर रहे थे। मैंने कुछ सीट दूर अफवाह सुनी कि हमें स्टेडियम खाली करना पड़ सकता है, क्योंकि बिजली गुल हो गई है।'' इसके बाद चीजें तेजी से बदल गईं और उन्हें जहां ले जाया गया वहां पंजाब और दिल्ली के खिलाड़ी पहले से मौजूद थे।

आईसीसी ने डब्लयूटीसी फाइनल के लिए पुरस्कार राशि घोषित की

विजेता को 3.6 मिलियन, वहीं उपविजेता को 2.16 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले माह 11 जून से होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल के लिए भारी भरकम पुरस्कार राशि घोषित की है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच ये खिताबी मुकाबला लॉर्ड्स में खेला जाएगा। फाइनल के लिए कुल पुरस्कार राशि 5.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर रखी गयी है, जो पिछले दो संस्करणों के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यादा है। इसमें विजेता टीम को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे जो 2021 और 2023 दोनों में दिए गए 1.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर से काफी अधिक है जबकि उप-विजेता के लिए 800,000 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर अब 2.16 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। वहीं तीसरे स्थान वाली भारतीय टीम को 1440,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। चौथे स्थान वाली न्यूजीलैंड को 1200,000 जबकि पांचवें नंबर की टीम इंग्लैंड को 960,000 व छठे स्थान की टीम श्रीलंका को 840,000, सातवें स्थान की टीम बांग्लादेश को 720,000 वह आठवे स्थान की टीम वेस्टइंडीज को 680,000 व नौवें स्थान की टीम पाकिस्तान को 480,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। इस मुकाबले के लिए अब केवल एक माह ही बचा है और ऐसे में माना जा रहा है कि इनामी राशि घोषित मुकाबले के लिए जोश जगाया जा रहा है। आईसीसी ने इसी के तहत ही एक प्रचार वीडियो भी जारी किया जिसमें दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा, एडेन मार्कराम, ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्टीव स्मिथ और शानदार ट्रैविस हेड के साथ-साथ पूर्व महान खिलाड़ी शॉन पोलक, डेल स्टेन, मैथ्यू हेडन, मेल जोन्स, नासिर हुसैन, शोएब अख्तर और रवि शास्त्री नजर आ रहे हैं। इसी के साथ ही दोनों ही टीमों के नाम भी इस वीडियो में हैं। टीमों का भी ऐलान कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका डब्लयूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर होने के कारण पहली बार फाइनल में पहुंची है।

उसने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका पर जीत हासिल की थी जबकि भारत के खिलाफ उसकी घरेलू सीरीज ड्रॉ रही थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत पर 3-1 की जीत के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। इससे पहले उसने न्यूजीलैंड और श्रीलंका के अलावा पाकिस्तान पर भी बड़ी जीत हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

मयंक आईपीएल के बचे सत्र से बाहर हुए, सुपरजायंट्स ने विलियम को शामिल किया

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बचे हुए मुकाबलों में लखनऊ सुपरजायंट्स को अपने तेज गेंदबाज मयंक यादव के बिना ही खेलना होगा। इसका कारण है कि मयंक चोट के कारण बचे हुए सत्र से भी बाहर हो गए हैं। मयंक के चोटिल होने से सुपरजायंट्स के साथ ही राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) को भी झटका लगा है। मयंक एनसीए में ही रिहैब से गजर रहे थे। आईपीएल की ओर से कहा गया, 'मयंक पीठ में चोट के कारण बचे हुए सत्र से बाहर हो गए हैं।' ऐसे में न्यूजीलैंड के विलियम ओ राउरके बचे हुए मैचों में सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे। मयंक की फिटनेस को लेकर इसलिए भी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं क्योंकि छह महीने के 'रिहैबिलिटेशन' के बाद उनकी वापसी हुई थी पर उनकी गेंदबाजी पहले जैसे नहीं रही। वह केवल दो विकेट ही ले पाये। इसके साथ ही उनकी रफ्तार भी पहले के मुकाबले 15 किमी कम हुई है। मयंक ने 30 मार्च 2024 और चार मई 2025 के बीच नौ टी20 मैच खेले हैं। इन नौ मैचों में उन्होंने पिछले साल लखनऊ के लिए चार टी 20 मैच खेले थे जब उन्होंने लगातार 150 किमी प्रति घंटे की गेंद फेंकी थी हालांकि उस साल अप्रैल में वह चोटिल होने के कारण छह महा तक बाहर रहे। उसके बाद उन्हें बांग्लादेश सीरीज के लिए टी20 में जगह मिली पर इस सीरीज में भी उनकी पीठ की चोट फिर उभर आई। इसके कारण वह एक बार फिर घरेलू सत्र से बाहर हो गये।

पाक क्रिकेट का कारनामा , संन्यास लिए बिना ही चयनकर्ता बनेगा पूर्व कप्तान

लाहौर।

पाकिस्तान क्रिकेट अपने अजीब से कारनामों के कारण जाना जाता है। उसमें कब क्या हो कहा नहीं जा सकता। सरकार बदलते ही पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख भी बदल जाता है। कोई भी कोच यहां टिक नहीं पता। यहां तक की चयन समिति में भी कब बदलाव हो जाये कहा नहीं जा सकता। वहीं अब एक सक्रिके खिलाड़ी को ही चयनकर्ता बना दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए जो नई चयन समिति बनायी गयी है। उसमें विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद को भी शामिल किया गया है। सरफराज टीम के पूर्व कप्तान हैं और उन्होंने अभी तक संन्यास नहीं लिया है। उन्हें पीसीबी चयन समिति के पैनल में रखा गया है। सरफराज की कप्तानी में ही पाकिस्तान ने साल 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता था। पीसीबी ने माइक हेसन को सीमित ओवरों के लिए कोच बनाया है। वहीं अब एक सक्रिय खिलाड़ी के तौर पर सरफराज अब किस तरह से पाक टीम का चयन करेंगे यह देखना होगा। इसके साथ ही सवाल ये उठता है कि क्या सरफराज स्वयं अपने को भी टीम में रखेंगे क्योंकि खिलाड़ियों को चुनने में उनकी भूमिका भी काफी अहम होगी और अभी रिटायर भी नहीं हैं।

इस कारण विराट ने लिया होगा संन्यासः नासिर हुसैन

लंदन।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका प्रदर्शन हमेशा शीर्ष स्तर का रहा है। इसलिए जब उन्हें लगा कि अब वह सौ फीसदी नहीं दे सकते तो उन्होंने खेल को अलविदा कह दिया। हुसैन के अनुसार किसी भी सामान्य चीज से संतुष्ट न होने की भावना ने ही शायद उन्हें संन्यास के लिये प्रेरित किया होगा। हुसैन ने कहा, 'वह चैम्पियन है। वह जीत का लक्ष्य लेकर ही खेलता है और उसके लिए बेचैन रहता है। कोहली के लिए सब कुछ जीतने के बारे में ही है। इसलिए तो लक्ष्य का पीछा करने में वह माहिर है। अगर वह 100 फीसदी नहीं दे सकता होगा तो मैदान पर नहीं उतरेगा। वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने ही उतरता है।

हुसैन ने कहा, 'हो सकता है कि उसने संन्यास का फैसला भी इसलिए ही लिया हो। वह आम क्रिकेटर नहीं बनना चाहता। वह कुछ खास करना चाहता है। उसने भारत को वह ताकत बनाया जो वह आज है। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले 14 साल से कोहली का बड़ा प्रशंसक रहा हूं। उसके आंकड़े स्वयं उनके बारे में कहते हैं पर वह आंकड़ों से बहुत आगे कुछ है। उसकी शख्सियत, स्वैग और जुनून है। हम भारतीय क्रिकेटप्रेमियों को जानते हैं और क्रिकेट उनके लिए बहुत मायने

रखता है।

उन्होंने कहा, 'क्रिकेट को लेकर इतना जुनून भारत में कोहली से ज्यादा किसी ने नहीं जगाया। वह अविश्वसनीय क्रिकेटर है। वह भारत को नंबर एक तक ले गया जहां टीम 42 महीने तक रही। उसने अपने आक्रामक अंदाज से उनके क्रिकेट खेलने का तरीका बदल दिया। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथरटन ने इसी पॉडकास्ट में कहा, 'हमें नहीं पता कि अब चौथे नंबर पर कौन उतरेगा पर जो भी उतरेगा उसे कोहली की जगह लेनी है और यह आसान नहीं है।

रोहित-कोहली के संन्यास के बाद भी भारतीय टीम वापसी करेगी - मांजरेकर

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को लेकर ज्यादा परेशान होने की जरुरत नहीं है। मांजरेकर के अनुसार टीम में कई युवा प्रतिभाएं हैं जो इनकी जगह ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ियों के अलविदा कहने का समय आया तब इसी प्रकार की चिन्ता जतायी जा रही थी पर युवाओं ने अपने प्रदर्शन से उनकी कमी पूरी की जिससे भारतीय क्रिकेट ने शानदार वापसी की। मांजरेकर ने काह, 'मैं जानता हूं कि प्रशंसक चिंतित होंगे। फैब फोर के संन्यास के बाद भी ऐसी ही चिंता थी। लेकिन कुछ साल बाद भारत दुनिया की नंबर एक टेस्ट टीम बना। उन्होंने लिखा, 'जब तक भारत में खेल लोकप्रिय हैं और कई प्रतिभाशाली युवा खेलने के लिए सामने आ रहे हैं तो टीम को अच्छे खिलाड़ी मिलते रहेंगे। भारतीय टीम में जगह हासिल करना आसान नहीं होता और जो भी यहां तक पहुंचता है उसमें प्रतिभा होती ही है। मांजरेकर ने कहा, 'इसमें समय लगेगा पर डरने की जरूरत नहीं है। पहले स्टार खिलाड़ियों के जाने के बाद हमारी गेंदबाजी बेहतर हुई। यहां भी ऐसा हो सकता है। नए सितारे आएंगे और नये गेंदबाज भी। भारतीय टीम दुनिया की शीर्ष टीमों में बनी रहेगी। उन्होंने कहा, ' भारतीय टीम को इस नजरिये से भी देखा जा सकता है जिसमें विराट और रोहित टीम के होते हुए भी टीम को न्यूजीलैंड से 3-0 से और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। युवाओं से भरी होने वाली टीम के मारे पास खोने के लिए कुछ नहीं है इसलिए वह निडर होकर खेलेगी।

नीरज, जेना आज डायमंड लीग में उतरेंगे (सांध्य दैनिकों हेतु)

दोहा।

ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा आज डायमंड लीग 2025 में उतरेंगे। नीरज इसमें अच्छा प्रदर्शन कर इस साल के अंत में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए अपनी तैयारियों को आंकना चाहेंगे। डायमंड लीग में नीरज का मुकाबला दो बार के विश्व चैम्पियन और पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता एंडरसन पीटर्स (ग्रेनाडा), जैकब वाडलेच (चेक गणराज्य), जूलियन वेबर और मैक्स डेहनिंग (दोनों जर्मनी), जूलियस येगो (केन्या), और जापान के रोड्रिक डीन से होगा। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारत के किशोर जेना भी यहां बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। जेना का सबसे अच्छा प्रदर्शन 87.54 मीटर तक भाला फेंकना रहा है। नीरज यहां 2018 में चौथे स्थान पर रहे थे। वहीं उन्होंने 2023 में यहां पहला स्थान हासिल किया, जबकि 2024 में उन्हें दूसरा स्थान मिला। नीरज का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है और वह इस बार 90 मीटर की बाधा पार करना चाहते हैं। नीरज का लक्ष्य हमेशा से 90 मीटर की दूरी हासिल करना है। अब देखना होगा वह इसमें सफल होते हैं या नहीं। दोहा में भारत की ओर से गुलवीर सिंह और पारुल चौधरी पुरूष और महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ एवं 3000 मीटर स्टीपलचेज में उतरेंगे।

आकाश चोपड़ा ने इंग्लैंड दौरे के लिए अपनी पसंदीदा टीम बनायी

मुम्बई।

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह टीम चुनी है। इस दौरे में रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से आकाश ने इनकी जगह लेने वाले खिलाड़ियों के नाम भी बताये हैं। चोपड़ा ने कहा, ÷मैं यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल को साथ पारी की शुरुआत करुंगा। वहीं नंबर 3 पर साई सुदर्शन या देवदत्त पडिक्कल में से कोई एक हो सकता है। इसमें पडिक्कल को जगह मिलने की अधिक संभावना है क्योंकि उन्हें हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खेला था। वहीं सुदर्शन थोड़े अलग हैं, लेकिन वह नंबर 3 पर खेल सकते हैं, क्योंकि वह शानदार फॉर्म में हैं।

इससे तय है कि शुभमन गिल नंबर 4 पर उतरेंगे। मेरे अंदाज से व कप्तान बनेंगे। रिपोर्ट्स यही बता रही हैं। मैं उन्हें बल्लेबाजी क्रम में नीचे जाते हुए देखता हूं। यहीं पर वह टेस्ट मैचों में भारत के लिए नंबर 4 बल्लेबाज के रूप में स्थापित होंगे। वहीं पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत और छठे नंबर पर नितीश कुमार रेड्डी उतर सकते हैं। इस जगह के लिए करुण नायर, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल भी दावेदारों में शामिल हैं पर मैं नितीश कुमार रेड्डी के पक्ष में हूं, क्योंकि उन्होंने मेलबर्न में शानदार शतक बनाया था। मैं नंबर 7 पर अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को रख रहा हूं क्योंकि आर अश्विन अब टीम में नहीं हैं। वह लीड्स में रक्षात्मक भूमिका निभा सकते हैं।

टीम वाशिंगटन सुंदर को खिला सकती है, क्योंकि विरोधी टीम में

कई बाएं हाथ के खिलाड़ी होंगे पर मैं जडेजा को नंबर 7 पर रख रहा हूं। नंबर 8 पर मैं शार्दुल ठाकुर या दीपक चाहर में से किसी एक को रखने के पक्ष में हूं। इससे बल्लेबाजी में भी गहराई मिलेगी। दोनों को ऐसे हालातों में खेलना पसंद है। इसके बाद फिट होने पर जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी, या फिर प्रसिद्ध कृष्णा को अवसर मिलेगा।

खराब फिटनेस के कारण कप्तानी की दौड़ से बाहर हुए बुमराह

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एक समय कप्तानी का सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा थ पर अब वह इस दौड़ से बाहर नजर आते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल को कप्तानी मिलने की संभावना है जबकि पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और अनिल कुंबले जैसे दिग्गजों ने कहा था कि बुमराह को टेस्ट कप्तानी दी जाये। इन दोनो के अलावा कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों का भी कहना है कि बूमराह ही कप्तानी के योग्य हैं। इसके बाद भी उनका नाम कप्तानी की दौड़ से बाहर नजर आ रहा है। इसका कारण बुमराह की फिटनेस है वह जिस प्रकार बार बार चोटिल होकर मैदान से बाहर होते हैं उससे चयन समिति उन्हें कप्तान के तौर पर सही नहीं मानना। समिति एक ऐसे खिलाड़ी को कप्तान के तौर पर चाहती है जा लगातार खेल सके। बुमराह ने इसी साल ऑस्ट्रेलिया दौरे में पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में कप्तानी की थी। जिसमें भारतीय टीम जीती थी। बुमराह ने सिडनी में खेले गए आखिरी टेस्ट में भी कप्तानी की थी पर मैच के दूसरे ही दिन बुमराह बैक इंजरी के कारण बाहर हो गये। उसके बाद वह मैदान पर नहीं लौटे। बुमराह 3 महीने तक क्रिकेट के मैदान से दूर रहे। चैंपियंस ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं ले पाए। आईपीएल 2025 के शुरुआती मैचों में भी वह नहीं खेल पाए। फिटनेस और चोट की इन्हीं चुनौतियों की वजह से अगले टेस्ट कप्तान के तौर पर बुमराह का नाम कट गया। उसके बाद से ही बीसीसीआई चयन समिति ने नए कप्तान पर विचार शुरू कर दिया जिससे बुमराह कप्तानी की दौड़ से बाहर हुए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

डिलिवरी बॉय आया और टिकटॉक लाइव के दौरान ब्यूटी इन्फ्लुएंसर को मारी गोली, मौके पर मौत

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के जलिस्को राज्य में हुई एक हृदय विदारक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। मंगलवार को 23 वर्षीय लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मॉडल वेलेरिया मार्केज़ की एक ब्यूटी सैलून में टिकटॉक लाइवस्ट्रीम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना जापोपान, जलिस्को शहर में घटी, जो ग्वाडलजारा के बाहरी इलाके में स्थित है। जलिस्को राज्य के अधिकारियों ने बुधवार को घटना की पुष्टि की। बताया जा रहा है कि वेलेरिया अपने लाइवस्ट्रीम के दौरान डिलीवरी बॉय से बात कर रही थीं, तभी अचानक उन्हें गोली मार दी गई। हमलावर ने उसके सीने और सिर में गोली मारी, जिसके बाद वह तुरंत गिर पड़ी। इस भयावह घटना ने एक बार फिर मेक्सिको में हिंसा और असुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इस हत्या के कुछ ही घंटों बाद उसी क्षेत्र में एक और हाई-प्रोफाइल हत्या हुई। मेक्सिको की पीआरआई पार्टी के पूर्व सांसद लुइस आर्मंडो कॉर्डोवा डिआज़ की एक कैफे में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इन दोनों घटनाओं से जापान और आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है। वेलेरिया के सोशल मीडिया अकाउंट उनके प्रशंसकों और अनुयायियों के शोक और गुस्से भरे संदेशों से भर गए हैं। लोग इस नृशंस हत्या की निंदा कर रहे हैं और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। लाइवस्ट्रीम के दौरान वेलेरिया की हत्या न केवल उसके प्रियजनों के लिए, बल्कि पूरे मेक्सिको के लिए एक बड़ा सदमा है। स्थानीय लोग और सोशल मीडिया यूजर्स सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस और जांच एजेंसियां ??हत्या के पीछे के मकसद का पता लगाने और हमलावर की तलाश में जुटी हैं।

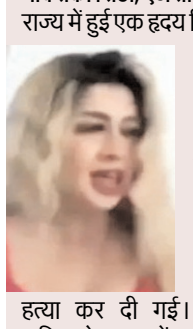

आईएमएफ से पाक को 1.02 अरब डॉलर की दूसरी किस्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के लिए विस्तारित निधि सुविधा कार्यक्रम के तहत 1.023 अरब अमेरिकी डॉलर की दूसरी किस्त जारी कर दी है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने बुधवार को यह जानकारी दी। दूसरी किस्त का वितरण ऐसे दिन हुआ जब आईएमएफ पाकिस्तान के आगामी बजट पर वर्चुअल चर्चा कर रहा है। क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं के कारण इस्लामाबाद में आईएमएफ के मिशन की यात्रा में देरी हुई है। आईएमएफ की ओर से इस हस्तांतरण के बाद 7 अरब डॉलर की विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत कुल वितरण लगभग 2.1 अरब डॉलर हो गया है। पाकिस्तानी सरकार 2 जून को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करने की योजना बना रही है। पाकिस्तान आईएमएफ बेलआउट पैकेज पर बहुत अधिक निर्भर है। पिछले साल जब वह दिवालिया होने के कगार पर था तब आईएमएफ ने उसे 3 अरब डॉलर रुपये देकर बचाया था। आईएमएफ के मुताबिक फंड का सदस्य बनने के बाद 25 बेलआउट लोन मिल चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि विभिन्न सरकारों ने आईएमएफ को अलविदा कहने की घोषणा की, लेकिन अब तक वे अपना वादा पूरा करने में विफल रहीं।

दुनिया के सबसे खुशहाल देश फिनलैंड पर मंडराने लगे मुसिबतों के बादल

हेल्सिंकी, एजेंसी। दुनिया के सबसे खुशहाल देश का खिताब जीत चुके फिनलैंड को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अब वह एक नए खतरे में है। रूस की हालिया सैन्य गतिविधियों ने यूरोप को चिंतित कर दिया है। हुआ यह है कि उपग्रह चित्रों से पता चला है कि रूस ने फिनलैंड की सीमा के बहुत करीब चार महत्वपूर्ण स्थानों पर बड़ी संख्या में सैनिकों और सैन्य उपकरणों को तैनात किया है। यूक्रेन पर हमले के बाद यह दूसरी बार है जब रूसी गतिविधियां इतने बड़े पैमाने पर दर्ज की गई हैं। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्वीडन के राष्ट्रीय प्रसारक एसवीटी और सैटेलाइट कंपनी प्लैनेट लैब्स द्वारा जारी तस्वीरों में यह खुलासा हुआ है। इसमें कहा गया है कि रूस ने चार स्थलों अर्थात् कामेनका, पेट्रोज़ावोडस्क, सेवेरोमोर्स्क-2 और ओलेन्या पर एक बड़ा आंदोलन शुरू किया है। कामेन्का फिनलैंड की सीमा से सिर्फ 35 मील की दूरी पर है, जहां फरवरी से अब तक 130 से अधिक सैन्य टेंट स्थापित किए जा चुके हैं। ऐसा माना जाता है कि यहां 2,000 तक सैनिक तैनात किये जा सकते हैं। पेट्रोज़ावोडस्क में तीन विशाल सैन्य भंडारण हॉल तैयार किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 50-50 बख्तरबंद वाहन रखे जा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन हॉलों का निर्माण वास्तविक सैन्य ताकत को छिपाने के लिए किया गया होगा। साथ ही, सेवेरोमोर्स्क-2 पर भारी हेलीकॉप्टर उड़ान भी देखी गई है, जिससे यह बेस रूसी हवाई अभियानों का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। चौथा स्थान ओलेन्या है, जिसे यूक्रेन ने पहले ही हमलों के स्रोत के रूप में पहचाना है और जहां नई गतिविधियां भी देखी गई हैं। इस संपूर्ण सैन्य गतिविधि का समय भी बहुत मायने रखता है। फ़िनलैंड और स्वीडन हाल ही में नाटो का हिस्सा बन गए हैं। और यही कारण है कि रूस इतना नाराज है। फिनलैंड अप्रैल 2023 में और स्वीडन मार्च 2024 में नाटो में शामिल हो गए। रूस ने पहले ही चेतावनी दी थी कि वह जवाबी कार्रवाई करेगा।

ट्रंप के कारण फेल होती दिख रही रूस-यूक्रेन शांति वार्ता, पुतिन ने क्यों बनाई दूरी?

मास्को, एजेंसी। व्लादिमीर पुतिन ने जब हाल ही में तुर्की में वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ शांति वार्ता में शामिल होने पर अपनी सहमति दी तो दुनिया को लगा कि रूस और यूक्रेन के बीच वर्षों से जारी संघर्ष का अंत हो सकता है। लेकिन अब जो खबर सामने आ रही है वह परेशान करने वाली है। कहा जा रहा है कि पुतिन ने तुर्की में प्रस्तावित यूक्रेन-रूस शांति वार्ता में फिलहाल शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है। वहीं, जेलेंस्की ने भी अपनी स्थिति साफ करते हुए कहा है कि जब तक पुतिन नहीं आते हैं तो वह भी इस वार्ता में शामिल नहीं होंगे। पुतिन के इस निर्णय के पीछे मुख्य वजह यह मानी जा रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस वार्ता में शामिल होने की कोशिश कर रहे थे। अगर दोनों देशों के बीच सहमति बनती है तो वह इसका श्रेय लेने की कोशिश करते। सूत्रों का मानना है कि पुतिन ट्रंप को कूटनीतिक स्तर पर किसी भी तरह की बढ़त नहीं देना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने न केवल खुद को इस वार्ता से दूर रखा, बल्कि अपने वरिष्ठ राजनयिकों को भी वार्ता में शामिल नहीं होने दिया। हालांकि, डिप्टी स्तर के कुछ मंत्रियों और अधिकारियों को जरूर भेजने की बात कही है। 14 मई को क्रेमलिन द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रूस ने शांति वार्ता के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल की सूची जारी कर दी है। इसमें ना तो पुतिन शामिल हो रहे हैं और ना ही विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव। रूस ने किसी वरिष्ठ अधिकारी को भी इसमें भेजना का फैसला टाल दिया है। हालांकि एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की बात जरूर कही है। जिसमें राष्ट्रपति के सलाहकार और प्रचार रणनीतिकार व्लादिमीर मेडिंस्की, उप विदेश मंत्री मिखाइल गैलुजिन, सैन्य खुफिया प्रमुख इगोर कोस्त्युकोव और उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन शामिल होंगे।

पुतिन के अलावा किसी से बात नहीं करेंगे जेलेंस्की : पुतिन के इस फैसल पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने तुर्की में व्लादिमीर पुतिन के साथ संभावित बैठक से पहले यह कहकर दांव बढ़ा दिया कि वह राष्ट्रपति के अलावा किसी अन्य रूसी प्रतिनिधि से बातचीत नहीं करेंगे। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पुतिन से मिलने के आग्रह के बाद ही तुर्की की यात्रा करेंगे। सीएनएन ने जब उनसे बैठक के एजेंडे के बारे में पूछा तो जेलेंस्की ने कहा कि युद्धविराम समझौते के अलावा कुछ भी विफल ही साबित होगा। ऐसे में अगर दोनों देशों के प्रमुख के बगैर यह वार्ता होती भी है तो इसका खास संदेश नहीं जाएगा।

यह भी एक कारण : हालांकि एक तर्क भी दिया जा रहा है कि पुतिन द्वारा स्वयं को वार्ता से दूर रखना इस बात का संकेत हो सकता है कि रूस फिलहाल वार्ता को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया के रूप में देख रहा है, ना कि वास्तविक समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम है।

पुतिन ने की थी सीधी वार्ता की पेशकश : इससे पहले, पश्चिमी और यूरोपीय नेताओं की ओर से किसी शर्त के एक महीने के युद्ध विराम को लागू करने की पेशकश की थी, जिसे रूस ने खारिज कर दिया था। इसके साथ ही रूस ने यूक्रेन पर 100 से अधिक ड्रोन भी दागे। पुतिन ने 11 मई को इस प्रस्ताव के बजाय तुर्किये में सीधे बातचीत की पेशकश की थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने जोर देकर कहा था कि रूसी प्रतिनिधिमंडल बिना किसी पूर्व शर्त के इस्तांबुल में बातचीत के लिए तैयार रहेगा।

जेलेंस्की ने जताया रूस के इरादों पर संदेह : जेलेंस्की ने रूस के इरादों पर भी संदेह जताया था। साथ ही कहा था कि रूसी राष्ट्रपति की पेशकश अविश्वसनीय प्रतीत होती है। उन्होंने यह भी कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी वार्ता में भाग लेने पर विचार कर रहे हैं। बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए ज़ेलेंस्की ने कहा था कि हमने तुर्किये में वार्ता के प्रारूप के बारे में टीम के साथ कई बैठकें कीं। मैं यह देखने का इंतजार कर रहा हूं कि रूस से कौन आएगा। इसके बाद ही मैं तय करूंगा कि यूक्रेन को कौन से कदम उठाने चाहिए। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अब तक, मीडिया में उनके द्वारा दिए गए संकेत अविश्वसनीय हैं। रूस केवल युद्ध और हत्याओं को बढ़ा रहा है। मैं हर देश, हर नेता को धन्यवाद देना चाहता हूं जो अब रूस पर दबाव डाल रहा है, ताकि गोलाबारी आखिरकार बंद हो जाए, ताकि सार्थक बातचीत उस स्तर पर हो सके जहां वास्तविक निर्णय लिए जा सकें।

बड़े युद्ध की तैयारी में हैं दोनों देश : दोनों देश गर्मी में फिर से बड़े युद्ध की तैयारी में हैं। 1,000 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा पर अब तक दोनों ओर से हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं।वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने सोमवार को कहा कि रूस तेजी से नए सैनिकों की भर्ती कर रहा है ताकि अग्रिम मोर्चे पर पकड़ बनी रहे। रूस ने अमेरिका और यूरोपीय नेताओं की ओर से की गई युद्धविराम की पेशकश को खारिज किया, पुतिन कई बार जेलेंस्की की सरकार की वैधता पर सवाल उठा चुके हैं, क्योंकि उनके अनुसार जेलेंस्की का कार्यकाल पिछले साल खत्म हो चुका है। हालांकि, यूक्रेन का संविधान कहता है कि मार्शल लॉ के दौरान चुनाव नहीं कराए जा सकते। 2022 में यूक्रेन सरकार ने एक आदेश पारित किया था, जिसके तहत पुतिन से किसी भी तरह की बातचीत पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन अमेरिका दोनों देशों पर युद्ध खत्म करने के लिए दबाव बना रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड के विदेश मंत्रियों से लंदन में बातचीत की, ताकि युद्धविराम और शांति वार्ता को लेकर चर्चा हो सके। इन यूरोपीय देशों ने रूस को चेतावनी दी है कि अगर वह युद्धविराम नहीं मानता, तो उस पर और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे, लेकिन अब तक नए प्रतिबंधों की कोई घोषणा नहीं की गई है।

पंजाबी मूल के चार नेता कनाडा में बनाए गए मंत्री, खालिस्तानी सोच से दूर; भारत के साथ मजबूत होंगे संबंध

ओटावा, एजेंसी। पंजाबी मूल के चार मंत्रियों को कनाडा में मंत्री बनाए जाने से भारत के साथ बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। दरअसल इस वक्त भारत और कनाडा के रिश्ते अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। लेकिन कार्नी के मंत्रिमंडल और पंजाबियों की दी गई अहमियत से अब रिश्तों को नई उम्मीद की किरण के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि जो मंत्री पंजाबी मूल के हैं और अब कार्नी मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं वो खालिस्तानी विचारधारा से पूरी तरह से दूर हैं। कनाडा में रह रहे पंजाबी समुदाय के लोगों का मानना है कि कनाडा की सरकार में खालिस्तानी विचारधारा को दरकिनार कर नए संबंधों की शुरूआत करने की बेहतर पहल है। कनाडा में अनीता आनंद, मनिंदर सिद्धू, रूबी सहोता और रणदीप सराय को मंत्री बनाया गया है। कनाडा में पंजाबी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले पंजाबी सिख संगठन इन कनाडा के सरदार हरजोत सिंह कहते हैं कि विदेश मंत्री अनिता आनंद ने तो गीता पर हाथ रखकर मंत्री पद की सौगंध खाई।

बलूच नेता ने पाकिस्तान से आजादी का ऐलान किया: कहा- बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आजादी का ऐलान किया। उन्होंने इसके पीछे दशकों से बलूच लोगों के मानवाधिकार हनन, किडनैपिंग और हिंसा का हवाला दिया। मीर यार बलूच ने एक्स पोस्ट में कहा- बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए। आओ हमारा साथ दो। उन्होंने लिखा कि बलूच लोग सड़कों पर हैं और यह उनका राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है और दुनिया अब और मूक दर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारत और ग्लोबल समुदाय से बलूचिस्तान की आजादी के लिए मान्यता और समर्थन मांगा। पाकिस्तान पीओके के लोगों को ढाल जैसे इस्तेमाल कर रहा मीर यार ने भारतीय मीडिया, यूट्यूबर्स और भारतीय बुद्धिजीवियों से अपील की कि वो बलूचों को पाकिस्तान के लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं, बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं, जिन्हें कभी हवाई बमबारी, किडनैपिंग या नरसंहार का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) पर भारत के रुख का समर्थन किया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर इस इलाके को खाली करने के लिए दबाव डालने की अपील की। मीर यार ने कहा- भारत

पाकिस्तानी सेना को हरा सकता है। अगर पाकिस्तान ने ध्यान नहीं दिया, तो खूनखराबे के लिए सिर्फ पाकिस्तानी सेना के लालची जनरल जिम्मेदार होंगे, क्योंकि इस्लामाबाद पीओके के लोगों को ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद के कब्जा किया गया मीर यार बलूच के मुताबिक दुनिया को बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के दावों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद से जबरन कब्जा किया गया था। बलूचिस्तान में लंबे वक्त से मानवाधिकार हनन हो रहा है। पाकिस्तानी सेना और पुलिस लोगों पर हमले करती है। यहां विदेशी मीडिया की पहुंच बहुत सीमित है, इस वजह से बलूचिस्तान से जुड़ी खबरें बाहर नहीं आ पाती हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) एक संगठन है जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है। इसकी स्थापना 2000 के दशक की शुरुआत में हुई और इसे कई देशों द्वारा आतंकी संगठन भी घोषित किया गया है।

गाजा में बच्चों की मौत के लिए अमेरिका जिम्मेदार, सीनेट बाधित करने के आरोप में कारोबारी कोहेन हिरासत में

वाशिंगटन, एजेंसी। एंड जेरी के सह संस्थापक और प्रगतिशील कार्यकर्ता और बेन बेन कोहेन को अमेरिकी सीनेट की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में हिरासत में ले लिया गया है। ये वाकया तब हुआ जब स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर मेडिकेड में कटौती करने के लिए प्रस्ताव ला रहे थे, उसी दौरान प्रदर्शनकारियों के समूह में शामिल बेन कोहेन ने गाजा में जारी नरसंहार और भुखमरी के शिकार बच्चों के लिए अपना विरोध जताया।

अमेरिकी सीनेट की कार्यवाही के दौरान जब स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर अपने विभाग के बजट प्रस्ताव की जानकरी दे रहे थे। उसी दौरान कोहेन ने उन्हें रोकते हुए अपना विरोध जताया। कोहेन ने चिल्लाते हुए कहा कि कांग्रेस गाजा में बच्चों को मारने के लिए बम खरीदने के लिए भुगतान करती है, जबकि यहां सांसद निम्न आय वाले परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम का प्रस्ताव रखते हैं। उन्होंने सीनेटरों से आग्रह करते हुए यह भी कहा कि वे इस्त्राइल पर गाजा में भुखमरी के शिकार बच्चों तक भोजन और रसद पहुंचाने के लिए दबाव डालने की भी अपील की। इसी

दौरान, सीनेट में मौजूद सुरक्षा बलों ने कोहेन को रोकते हुए आनन-फानन में उन्हें हथकड़ी पहनाई और सीनेट से बाहर ले गए।

गाजा मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ कोहेन : हालांकि कुछ देर बाद कोहेन को रिहा कर दिया गया। अपनी रिहाई के बाद पत्रकारों से वार्ता करते हुए कोहेन ने गाजा मुद्दे पर अमेरिकी सरकार के कदमों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह निंदनीय है कि अमेरिका ने इस्त्राइल के लिए 20 बिलियन डॉलर को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि अधिकांश अमेरिकी इस बात से नाराज हैं कि उनके पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है। कोहेन ने कहा कि हजारों लोगों के नरसंहार को स्वीकार करना और उसमें सहभागी होना, मनुष्य होने के नाते हमारी मूल भावना पर आघात है। साथ ही यह अमेरिका की मान्यताओं के भी खिलाफ है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने बजट का आधा हिस्सा युद्ध पर खर्च करता है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि अगर आप उस धन का आधा हिस्सा भी दुनिया में जीवन को बेहतर बनाने में खर्चेंगे तो जंग नहीं होगी। आगे बोलते हुए बेन कोहेन ने जंग शांत करने के लिए वार्ता और कूटनीति पर जोर दिया।

भारत की कार्रवाई जरूरी थी, अफगान नेता की दो टूक; पाक-आईएसएस को आतंकवाद का पनाहगार बताया

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अफगानिस्तान की निर्वासित सांसद मरियम सोलेमंखिल ने ऑपरेशन सिंदूर को वाजिब बताया है। उन्होंने कहा कि भारत का ऑपरेशन सिंदूर जरूरी था, क्योंकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है और कश्मीर में निर्दोष लोगों की जान लेता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत ने जो किया वह जरूरी था। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कश्मीर में घुसपैठ की और निर्दोष लोगों की जान ली। आप इसे इतनी आसानी से नहीं जाने दे सकते। भारत जैसा पलटवार किया, वह बहुत जिम्मेदाराना है। वे आतंकवाद की चौकियों, आतंकवादी शिविरों, उन जगहों पर हमला कर रहे थे, जहां सेना पाकिस्तान में आतंकवादियों को और भी ज्यादा पनपने में मदद कर रही है। अफगान नेता सोलेमंखिल ने कहा कि पाकिस्तान दशकों से झूठ फैला रहा है। सरकार और आईएसआई भी यही काम करते हैं। उन्होंने कहा, भारत उन्हीं मुद्दों को उठा रहा है, जिन पर वह पिछले 77 साल से बोल रहा है। पाकिस्तान वही झूठ फैला रहा है। वह ऑनलाइन ट्रोल फर्मों से, अपने पेड मीडिया प्रवक्ताओं का इस्तेमाल कर रहा है। वे अपने आईएसआई, अपने नेतृत्व, साथ ही अपने विदेश मंत्री से भी वे झूठ फैलवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका को बलि का बकरा बनाता है और आतंकवादियों को पनाह देता है तथा दुनिया को धमकाता है। उन्होंने कहा, वे ध्यान भटका रहे हैं, आतंकवादियों का समर्थन करने, उन्हें

तैयार करने, उन्हें अपनी सीमाओं के भीतर आतंकवादियों को पनाह देने के लिए मजबूर करने के लिए अमेरिका को दोषी ठहरा रहे हैं। दुनिया को परमाणु विनाश की धमकी दे रहे हैं। यह पूरी तरह से हास्यास्पद है। मुझे लगता है कि दुनिया बहुत स्पष्ट रूप से समझ रही है कि भारत कौन है? कैसे वह एक आर्थिक शक्ति है? जो दुनिया के भले के लिए सभी की मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने लोगों को भी आतंकवाद से डराता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान अब आतंकवाद के लिए जाना जाता है। वे अपने ही लोगों के बीच आतंकवाद फैला रहे हैं। बुधवार को बलूच प्रतिनिधि मीर यार बलूच ने क्षेत्र में दशकों से जारी हिंसा, जबरन गायब किए जाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन का हवाला देते हुए पाकिस्तान से स्वतंत्रता की घोषणा की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए।

इंडो-पैसिफिक में पाकिस्तान का इस्तेमाल कर रहा ड्रैगन, भरोसे लायक नहीं: ब्रिटिश लेखक डेविड वेंस

लंदन, एजेंसी। भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान के समर्थन पर चीन चौतरफा घिरता नजर आ रहा है। अब ब्रिटिश राजनीतिक लेखक डेविड वेंस ने इसे लेकर चीन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए चीन पाकिस्तान का छद्म रूप से इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

एक साक्षात्कार में डेविड वेंस ने कहा कि चीन इस क्षेत्र में पाकिस्तान को एक प्रॉक्सी के रूप में संचालित करता है । इसलिए, चीन पर किसी भी मामले में भरोसा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप को यह समझना चाहिए था। उन्होंने कहा कि ट्रंप को यह समझना होगा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत चीन के खिलाफ पश्चिम के लिए एक सुरक्षा कवच है। इसलिए जितना संभव हो उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ भारत की मदद करनी चाहिए, यह बेहतर होगा। वेंस ने कहा कि चीन के पाकिस्तान के साथ निहित स्वार्थ हैं और वे हित न को भारत और न ही पश्चिम के साथ मेल खाते हैं।

तुर्किये की भी की आलोचना : साक्षात्कार के दौरान वेंस ने पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए तुर्किये की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जैसाकि मैनें पहले भी कहा है कि पाकिस्तान एक असफल राष्ट्र है उसी तरह तुर्किये भी समस्याग्रस्त है। मुझे हैरानी नहीं हुई अगर एर्दोआन ने भी भारत का विरोध किया। वे मुझे चीन से जुड़े हुए प्रतीत होते हैं। उनसे पहले से ही भारत विरोधी

बयानबाजी की उम्मीद की जानी चाहिए और उसे खारिज कर दिया जाना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर का पुरजोर समर्थन : ब्रिटिश लेखक डेविड वेंस ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर का भी पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह लंबे समय से लंबित और जरूरी कदम था। इसे और पहले किया जाना था। वेंस ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर काफी सफल रहा है। मुझे लगता है कि यह भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ संघर्ष से कहीं अधिक आतंक के ढांचे पर प्रहार था। यह कुछ ऐसा है जो मैंने 2018 में संयुक्त राष्ट्र में कहा था कि मैं पाकिस्तान को एक विफल, आतंकवादी राज्य और आतंक के पोषण के रूप में मानता हूं। ऐसे में यह अच्छा था कि भारत ने इसके खिलाफ कदम उठाया।

गौरतलब है कि बीते महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था जिसमें 26 लोग मारे गए थे। जिसके बाद भारत ने एक के बाद एक चरणबद्ध कार्रवाई कर पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। सात मई को पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ सटीक हमले किए गए। भारतीय वायुसेना ने बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर के नौ आतंकी अड्डों को पलक झपकते ही नेस्तनाबूद कर दिया। 8 मई को पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी राज्यों में बड़े पैमाने पर ड्रोन से जवाबी कार्रवाई की। भारत के बहुस्तरीय वायु रक्षा नेटवर्क, घरेलू आकाश मिसाइल और इस्त्राइली व रूसी रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तान के ड्रोन हमलों। को नाकाम किया। 9 मई को भारत ने छह पाकिस्तानी सैन्य एयरबेस व यूएबी समन्वय केंद्रों पर अतिरिक्त हमले किए। 10 मई को गोलीबारी में अस्थायी रोक लगाई गई। भारत ने इसे युद्धविराम नहीं बल्कि फायरिंग का विराम बताया। यह सिर्फ सामरिक सफलता नहीं थी। यह प्रत्यक्ष गोलीबारी के तहत सैद्धांतिक क्रियान्वयन था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के रक्षा बजट में होगा 50 हजार करोड़ का इजाफा, और ताकतवर होगी सेना

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को देखते हुए मोदी सरकार अपना खजाना खोलने जा रही है। सूत्रों का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत के रक्षा बजट में 50 हजार करोड़ रुपए का इजाफा हो सकता है।

रिपोर्ट्स की मानें तो 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए सरकार रक्षा बजट में अलग से 50,000 करोड़ रुपये का इजाफा कर सकती है। इसका प्रस्ताव तैयार है। अगर सरकार ने इस अतिरिक्त रकम को मंजूरी दे दी, तो वित्त वर्ष 2025-26 में कुल रक्षा बजट सात लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच जाएगा।

दरअसल, 2014 में सत्ता में आने के बाद से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रक्षा को केंद्र बिंदु बनाया है। अपने पहले साल में मोदी सरकार ने रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए थे, जो पिछले एक दशक में तीन गुना से भी ज्यादा है। इस बार भारत के कुल बजट का 13 प्रतिशत हिस्सा रक्षा को आवंटित किया गया है। यह सभी मंत्रालयों में सबसे अधिक है।पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच सैन्य तैयारियों पर यह जोर दिया जा रहा है।

खास तौर पर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत की 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत की गई सैन्य कार्रवाई के बाद। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान और पीओके में आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया था।

1 फरवरी को पेश किए गए केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहले ही सशस्त्र बलों के लिए 6.81 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड आवंटन किया था। यह 2024-25 में आवंटित 6.22 लाख करोड़ रुपये से 9.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। सूत्रों का कहना है कि इस 50 हजार करोड़ वाली राशि का इस्तेमाल डिफेंस रिसर्च यानी रक्षा अनुसंधान और हथियारों, गोला-बारूद और अन्य अहम सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए किया जाएगा। साथ ही सेना की अन्य जरूरतों को पूरा करने में

भी इस पैसे का इस्तेमाल किया जाएगा।

माना जा रहा है कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान 50 हजार करोड़ रुपए के आवंटन को मंजूरी दी जा सकती है।

आखिरकर क्यों भारतीय इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा ऑपरेशन सिंदूर

पीएम मोदी ने बता दी इसकी वजह

नई दिल्ली।

भारत ने 6 और 7 मई की रात के दरमियान एक ऐतिहासिक और साहसिक सैन्य कार्रवाई कर ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, जो भविष्य में आतंकवाद और सैन्य रणनीति की पढ़ाई में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह पहली बार है जब भारत ने परमाणु संपन्न देश पाकिस्तान के भीतर जाकर इतनी बड़ी सैन्य कार्रवाई की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मई को कहा कि यह ऑपरेशन सिर्फ जवाबी कार्रवाई नहीं थी, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नई नीति की घोषणा थी। उन्होंने बताया कि भारतीय ड्रोन और मिसाइलों ने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ठिकानों को अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से की गई परमाणु हमले की धमकियों को दरकिनार ऑपरेशन सिंदूर के तहत 10 मई को भारत ने पाकिस्तानी वायुसेना के रणनीतिक ठिकानों-रावलपिंडी, चकलाला और सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया, जिससे पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को प्रत्यक्ष चेतावनी दी गई। भारतीय वायुसेना के हमलों में पाकिस्तान को सैन्य और मनोवैज्ञानिक दोनों मोर्चों पर भारी नुकसान उठाना पड़ा। पीएम मोदी ने दो टूक कहा, भारत अब आतंक के सौदागरों को उन्हीं की जमीन पर ही जवाब देगा। पाकिस्तान ने सीमा पर हमला करने की तैयारी की थी, लेकिन भारत ने उसके दिल पर हमला किया। सैन्य सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए और पाकिस्तानी वायुसेना को अपने ठिकाने पीछे खींचने पड़े। यह ऑपरेशन इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह दिखाता है कि अब भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल से नहीं डरता और सटीक जवाब देने को तैयार है।

भारत-पाकिस्तान तनाव कम करने पर सहमत, दोनों चाहते हैं सीमा पर शांति हो

सहमति के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग और बातचीत के खुल सकते हैं रास्ते

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान तनाव के बीच भारतीय सेना ने गुरुवार को जानकारी दी कि दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच 10 मई को हुई बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने सीमा पर तनाव कम करने और सतर्कता के स्तर को घटाने के उपाय जारी रखने पर सहमति जताई है। यह फैसला दोनों देशों के लिए अहम कदम माना जा रहा है, क्योंकि यह दोनों पक्षों के बीच विश्वास निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में उठाया गया कदम है। बता दें 10 मई को भारतीय और पाकिस्तानी सेना के डीजीएमओ के बीच एक अहम बैठक हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने सीमा पर तनाव कम करने और सैन्य गतिविधियों को नियंत्रित करने के उपायों पर चर्चा की। भारतीय सेना द्वारा जारी किए गए बयान में कहा गया कि दोनों देशों ने विश्वास निर्माण उपायों को जारी रखने का फैसला लिया, जिससे सीमा पर तनाव को कम किया जा सके। इस बैठक में यह भी तय किया गया कि भारत और पाकिस्तान को एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक या शत्रुतापूर्ण कार्रवाई करने से बचना चाहिए और एक भी गोली नहीं चलानी चाहिए यह प्रतिबद्धता भी दोनों देशों के बीच साझा की गई। दोनों सेनाओं ने यह भी तय किया कि सीमा और अग्रिम क्षेत्रों से सैनिकों की संख्या में कमी की जाएगी, ताकि स्थिति को शांतिपूर्ण तरीके से नियंत्रित किया जा सके। पिछली बार 12 मई को डीजीएमओ स्तर की बातचीत हुई थी, जिसमें संघर्ष विराम समझौते को कायम रखने पर चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम का समझौता बड़े हद तक कायम है, हालांकि कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन देखे जाने की घटनाएं सामने आईं। इसके बावजूद दोनों सेनाओं ने एक-दूसरे पर गोलीबारी की घटनाओं को कम करने और शांति बनाए रखने की दिशा में मजबूत कदम उठाए हैं। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने सीमा पार करके और नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी करके इन समझौतों का उल्लंघन किया। यह घटनाएं शनिवार रात और रविवार तड़के पश्चिमी मोर्चे के विस्तार में ड्रोन घुसपैठ के रूप में सामने आईं। भारतीय सेना और सरकार ने साफ कहा है कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। भारतीय सेना की ओर से यह भी कहा गया कि सीमा पर सैन्य तनाव को कम करने के लिए दोनों देशों की सहमति जरूरी है और इस दिशा में किए गए कदम काफी अहम हैं। यह सहमति भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य सहयोग और बातचीत के नए रास्ते खोल सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस्कॉन बेंगलुरु के पक्ष में सुनाया फैसला, मुंबई इस्कान को झटका

मुंबई।

मुंबई बनाम इस्कॉन बेंगलुरु विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस्कॉन बेंगलुरु के पक्ष में फैसला दे दिया है। बेंगलुरु हरेकृष्ण हिल टेंपल इस्कॉन बेंगलुरु के पास ही रहेगा। मुंबई इस्कॉन के अधिकार को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश को पलटकर फैसला सुनाया है और निचली अदालत के द्वारा सुनाए गए फैसले को अदालत ने सही ठहराया है। निचली अदालत ने इस्कॉन मुंबई के अधिकार को खारिज कर कहा था कि इस्कॉन बेंगलुरु इस्कॉन मुंबई की शाखा नहीं बल्कि एक स्वतंत्र संस्था है। यह विवाद दशकों पुराना है, जिसका अब निपटारा हुआ है। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने फैसला सुनाया है। 15 फरवरी 2016 को सुप्रीम कोर्ट में आए मामले में आठ साल बाद 24 जुलाई 2024 को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा। दरअसल, इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद भक्तिवेदांत स्वामी के महासमाधि में जाने के बाद उनके शिष्यों के बीच सिद्धांतों को लेकर विवाद शुरू हुआ। इस्कॉन मुंबई पर ज्यादा प्रभाव प्रभुपाद के विदेशी शिष्यों का था। उन लोगों पर आरोप है कि समाधि प्रवेश से पहले प्रभुपाद की उस वसीयत का पालन नहीं किया गया, जिसमें भविष्य में इस्कॉन के संचालन की रूपरेखा थी। इसमें 12 साधुओं की प्रशासन समिति आयोग जैसी व्यवस्था थी। शिष्य परंपरा प्रभुपाद के गुरुनाम से ही संचालित रखने का सिर्फ एक विकल्प था, लेकिन आरोप है कि ये सभी 12 लोग अपनी मर्यादा से गिर गए।

साइबर ठगी का शिकार हुआ निवृत्त कर्मचारी, गंवाए 63.30 लाख रुपए

सूरत।

सूरत के बारडोली से साइबर ठगी की घटना सामने आई है, जिसमें एक निवृत्त कर्मचारी ने रु. 63.30 लाख रुपए गंवा दिए7 पूरा मामला तब सामने आया है कर्मचारी के बेटे को इसका पता चला और उसने अपने पिता को बगैर डरे पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी7 जानकारी के मुताबिक सूरत जिले में बारडोली के चाणक्यपुरी निवासी निवृत कर्मचारी अजय चावडा को किसी अज्ञात मोबाइल नंबर से कोल आया, जिसमें कहा गया कि मुंबई में जेट एयरलाइंस में 680 करोड़ के फ्राड में आपके बैंक एकाउंट का उपयोग किया गया है7 इसलिए हम बैंक एकाउंट का ब्यौरा भेज रहे हैं, जिसमें बिना किसी विलंब के रकम जमा कराएं7 हांलाकि अजय चावडा ने इस बात को कोई तवज्जो नहीं दी7 दूसरे दिन फिर अजय चावड़ा को वीडियो कोल आया7 जिसमें मुंबई के कोलाबा पुलिस थाने का सेटअप दिख रहा था और तीन लोग वीडियो कोल में बात कर रहे थे7 तीन में एक व्यक्ति को खुद की पहचान सीबीआई अधिकारी और दूसरे ने न्यायधीश बताया7 सीबीआई और न्यायधीश का नाम सुनकर अजय चावड़ा घबरा गए7 वीडियो कोल कर रहे ठगों ने अजय चावड़ा से कहा कि आपके नाम अरेस्ट वारंट जारी हुआ है7 साथ ही आपके बैंक एकाउंट को फ्रीज करने का ऑर्डर भी आया है7 अब अदालत में मामले की सुनवाई होगी7 अगर आपको जमानत चाहिए तो हम जो बैंक एकाउंट का ब्यौरा भेज रहे हैं, उसमें जमानत के लिए तुरंत पैसे जमा करवाने होंगे7 इसके बाद ठगों ने अजय चावड़ा को विभिन्न बैंकों के पांच एकाउंट का ब्यौरा भेज दिया7 पकड़े जाने के डर से अजय चावड़ा ने आरटीजीएस के जरिए करीब रु. 61.30 लाख उन्हें बताए गए बैंक एकाउंट में जमा करवा दिए7 जिसके बाद ज्यादा रकम ऐंठने की लालच में साइबर ठग अजय चावडा को कोल कर धमकाने लगे7 एक दिन अजय चावड़ा का बेटा अपने पिता को फोन पर बात करते सुन गया और तब पूरा मामला सामने आया है7 इसके बाद बेटे ने अपने पिता को हिम्मत दी और कहा कि वे बगैर किसी विलंब के तुरंत पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाएं7 अजय चावडा की शिकायत पर बारडोली शहर पुलिस ने आईटी एक्ट और बीएनएस की धारा के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है7

मौके का फायदा उठाने के लिए चीन सीमावर्ती राज्यों में सक्रिय

तीन राज्यों में सेना का हाई अलर्ट

मणिपुर।

पहलगाम की आतंकी घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और हमले के कारण चीन ने अपनी गतिविधियां सीमावर्ती भारतीय राज्यों में बढ़ा दी हैं। भारत की पूर्वी सीमा पर उत्तर पूर्वी बॉर्डर पर चीन की गतिविधियां बढ़ने से भारतीय सेना चिंतित है। चीन के द्वारा म्यांमार के रास्ते बड़ी संख्या में उग्रवादियों को भारत भेजा जा रहा है। मणिपुर में सेना के शीर्ष अधिकारियों के अनुसार उन्हें इनपुट मिला है। चीन भारत-पाकिस्तान के बीच चल रही जंग के बीच तीन राज्यों में घुसपैठ कराकर भारत के लिए चुनौती पैदा कर रहा है। म्यांमार के रास्ते से बड़ी संख्या में घुसपैठिया भारत में प्रवेश कर रहे हैं। भारतीय सेना ने इसकी रोकथाम के लिए 4000 अतिरिक्त सैनिकों को सीमा क्षेत्र में तैनात किया है। भारतीय सेना द्वारा जगह-जगह तलाशी का अभियान चलाया गया है। चीन और बांग्लादेश की सीमा से लगे हुए राज्यों में घुसपैठ को रोकने के लिए रेलवे पुलिस, बीएसएफ एवं अन्य सुरक्षा कर्मियों को लगाया गया है। एक विदेशी ड्रोन दुर्गापुर बार्डर के गांव में भी मिला है। यहां से बीएसएफ ने 17 बांग्लादेशी को भारतीय सीमा में घुसते हुए पकड़ा था। इसमें उग्रवादी संगठन जमात उल मुजाहिदीन के दो सदस्य थे।

अरुणाचल प्रदेश में भी चीन की गतिविधियां बड़ी तेजी के साथ बढी हैं। चीन भारतीय गांवों के नाम बदलने की कोशिश कर रहा है। अरुणाचल के आसपास सड़कों का निर्माण और नए मिलिट्री कैंप चीन द्वारा तैयार किए जा रहे हैं। भारतीय सेना इस पर भी निगाह रख रही है। भारतीय सेना के अधिकारियों का मानना है। चीन भारत के ऊपर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की रणनीति के तहत भारत की सीमावर्ती राज्यों में अपनी गतिविधि बढ़ा रहा है। जिसके कारण सेना की चुनौतियां बढ़ गई हैं।

सीएम योगी ने मेरा पूरा बयान सुने बगैर ही अपनी प्रतिक्रिया दे दी

व्योमिका सिंह पर विवादित बयान देने के बाद रामगोपाल ने दी सफाई

लखनऊ।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद राम गोपाल यादव ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर विवादित बयान देने के बाद उनकी हर तरफ आलोचना हो रही थी। अब इस मामले में उन्होंने सफाई दी है। राम गोपाल ने इसको लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ पर भी तंज कसते हुए कहा कि सीएम ने पूरा बयान सुने बिना ही अपनी प्रतिक्रिया दे डाली।

रामगोपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- उत्तर भारत के कुछ राज्यों में विशेषकर यूपी में जहां धर्म, जाति और वर्ग देखकर लोगों पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हों, एनकाउंटर किए जा रहे हों, गैंगस्टर लगाकर संपत्ति जब्त की जा रही हो, महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हों, जाति धर्म और वर्ग देखकर कर्मचारियों और अधिकारियों की पोस्टिंग की जाती हों, ऐसी विकृत मानसिकता के लोगों के बारे में मैंने एक कार्यक्रम में कहा था कि कर्नल सोफिया का धर्म नाम से पहचान लिया, इसलिए गाली दी गई। विदेश सचिव मिस्त्री को गाली दी गई। अगर इन गालीबाजों को ये पता चल जाता कि व्योमिका सिंह जाटव हैं और एयर मार्शल अवधेश भारती यादव हैं तो ये इन अफसरों को भी गालियाँ देने से बाज नहीं आते।

रामगोपाला यादव ने आगे लिखा कि मुझे आश्चर्य इस बात का है कि जिस मुख्यमंत्री की नाक के नीचे अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़ों पर अकल्पनीय अत्याचार हो रहे हों उन्होंने मेरा पूरा बयान सुने बगैर ही ट्वीट कर दिया, जिन मीडिया चैनलों ने इस्लामाबाद और रावलपिंडी पर कब्जा कर लिया था। उनसे मुझे कोई शिकायत नहीं, क्योंकि उन पर सत्ता पक्ष के अलावा किसी को विश्वास नहीं।

बता दें रामगोपाल द्वारा गुरुवार को विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर की गई जातिसूचक टिप्पणी पर सीएम योगी ने एक्स हैंडल पर रामगोपाल यादव के खिलाफ प्रतिक्रिया में कहा था कि सेना की वर्दी जातिवादी चश्मे से नहीं देखी जाती है। भारतीय सेना का प्रत्येक सैनिक राष्ट्रधर्म निभाता है, न कि

किसी जाति या मजहब का प्रतिनिधि होता है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव का एक वीरांगना बेटी को जाति की परिधि में बांधना न केवल उनकी पार्टी की संकुचित सोच का प्रदर्शन है, बल्कि सेना के शौर्य और देश की अस्मिता का भी घोर अपमान है। यह वही मानसिकता है, जो तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति में राष्ट्रभक्ति तक को बांटने का दुस्साहस करती है।

गेमिंग वेबसाइट के विज्ञापन के झांसे में गंवाए 1.9 लाख रुपये

नई दिल्ली।

23 वर्षीय फिजियोथेरेपिस्ट युवती ने इंस्टाग्राम पर दिखे एक गेमिंग वेबसाइट के विज्ञापन के झांसे में आकर 1.9 लाख रुपये गंवा दिए। गेमिंग वेबसाइट के विज्ञापन में कुछ सेकेंड में पैसे डबल होने का दावा किया गया था, जिसने पीड़ित को लालच में डाल दिया। जैसे ही उसने लिंक पर क्लिक किया, एक आकर्षक वेबसाइट खुली जो पूरी तरह असली जैसी दिख रही थी। इसमें निवेश पर बोनस और त्वरित इनाम का वादा किया गया था, जिससे भरोसा बना और फिजियोथेरेपिस्ट ने शुरुआत में 101 रुपये जमा किए। बोनस मिलने का भ्रम होते ही उसने दो हफ्तों में बड़ी रकम इन्वेस्ट कर दी। 18 अप्रैल से 5 मई के बीच उसने 1.9 लाख रुपये डिपॉजिट कर दिए। जब उसने पैसे निकालने की कोशिश की, तब असलियत सामने आई वेबसाइट पर विड्रॉ का ऑप्शन ही डिसेबल था। इसके बावजूद वेबसाइट ने बार-बार उसे और निवेश करने के लिए उकसाया। जब भी पैसे निकालने का प्रयास किया गया, नई डिपॉजिट की मांग की जाती रही। पीड़ित ने सभी संभव कोशिशें कीं, लेकिन वह अपनी रकम वापस नहीं ले सका। साइबर एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस तरह के स्कैम तेजी से बढ़ रहे हैं और ऐसे फर्जी प्लेटफॉर्म्स यूजर्स को असली गेमिंग वेबसाइट का भ्रम देकर ठगते हैं। किसी भी अज्ञात वेबसाइट पर अपने बैंक या यूपीआई डीटेल्स शेयर करने से बचें और हमेशा अधिकृत ऐप्स व वेबसाइट्स का ही उपयोग करें। अगर किसी तरह की ऑनलाइन ठगी हो जाती है, तो तुरंत स्थानीय पुलिस थाने या साइबर क्राइम हेल्पलाइन (1930) पर संपर्क करें। इन मामलों से बचने के लिए जागरूक रहना बेहद जरूरी है। कभी भी इंस्टाग्राम या किसी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिखने वाले पैसे डबल करने वाले विज्ञापनों पर भरोसा न करें।

संक्षिप्त समाचार

डीवाई चंद्रचूड़ बने,नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ नेशनल लॉ कॉलेज में अब छात्रों को पढ़ाएंगे। उन्होंने सेवा निवृत्ति के बाद प्रोफेसर के रूप में नेशनल लॉ कॉलेज में पढाने का निर्णय लिया है। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा, देश में कानूनी शिक्षा के लिए उनका छात्रों को पढाना एक परिवर्तनकारी स्थिति है। इसका लाभ ला के छात्रों को मिलेगा। डीवाई चंद्रचूड़ एक प्रोफेसर के रूप में अपने अनुभव का लाभ ला के विद्यार्थियों को देंगे। सेवा निवृत्ति के समय उन्होंने चिंता प्रकट की थी। उनके मुख्य न्यायाधीश के कार्यकाल को किस तरीके से देखा जाएगा। निश्चित रूप से सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने जो मार्ग चुना है। इसका लाभ कानून के विद्यार्थियों को मिलेगा।

एसएससी भर्ती मामला:शिक्षकों ने किया विरोध प्रदर्शन, पुलिस से झड़प में कई घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसएससी भर्ती मामले में सीएम ममता बनर्जी की सरकार के खिलाफ शिक्षकों ने विकास भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक पूरी नियुक्ति प्रक्रिया में गड़बड़ी की गई है। गुरुवार रात, विकास भवन के सामने प्रदर्शन कर रहे एसएससी शिक्षकों और पुलिस कर्मियों के बीच झड़प हो गई जिसके बाद पुलिस ने भारी भीड़ को तितर-बितर करने लाठीचार्ज किया जिसमें कई शिक्षक घायल हो गए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बेरोजगार हुए शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने गुरुवार को साल्ट लेक में राज्य शिक्षा विभाग के मुख्यालय की घेराबंदी करने के लिए रेलिंग के घेरे को तोड़ दिया और लोहे के गेट तोड़ दिए। उन्होंने विकास भवन के सैकड़ों कर्मचारियों को 8 घंटे से ज्यादा समय तक बंधक बनाए रखा, जब तक कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए रात 8 बजे से बल प्रयोग करना शुरू नहीं कर दिया। कई प्रदर्शनकारियों को खून से लथपथ देखा गया और उन्होंने शिकायत की कि पुलिस ने उन्हें डंडों से मारा, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने सुबह से ही उल्लेखनीय ÷संयम÷ दिखाया और सबसे पहले उन पर ईंटों से हमला किया गया। हालांकि कुछ बंधकों को समूहों में निकाल लिया गया, लेकिन प्रदर्शनकारियों के वापस लौटने के कारण कई लोग इमारत में ही फंस गए। प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार दोपहर 3 बजे विकास भवन के सामने एक सामूहिक सम्मेलन की घोषणा की। कुछ आंदोलनकारी अभी भी परिसर के अंदर थे। पुलिस तैनात है।

शादी में सजावट कर लौट रहे माली की गोली मारकर हत्या, आरोपी फरार

पटना। पटना में गुरुवार देर रात एक माली की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक बाजितपुर गांव का रहने वाला राकेश कुमार (22) है। पुलिस के मुताबिक राकेश एक शादी समारोह से सजावट का काम करके घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव के मंदिर के पास कुणाल सिंह ने उसे गोली मार दी। दोनों में पुरानी रंजिश थी। घायल हालत में परिजन राकेश को निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही बिहटा थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पटना एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। बताया जा रहा है मृतक राकेश कुमार का एक बच्चा है और पत्नी गर्भवती है। हत्या के बाद से आरोपी कुणाल सिंह फरार है। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

एएसआई ने जब्त वाहन छोड़ने मांगी रिश्वत, निगरानी विभाग ने रंगे हाथ पकड़ा

पटना।

दानापुर के रूपसपुर थाने में तैनात एएसआई ब्रजेश कुमार को निगरानी विभाग ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। एएसआई ने थाने में जब्त वाहन छोड़ने के बदले में 22 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। बीबीगंज निवासी बासु कुमार ने 15 मई को इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने एएसआई ब्रजेश कुमार पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी विभाग ने कार्रवाई की। जानकारी के मुताबिक निगरानी टीम ने रूपसपुर थाना क्षेत्र के राम जयपाल नगर से एएसआई को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा। रूपसपुर थाना प्रभारी ने बताया कि 14 अप्रैल को नगर रोड पर एक मिक्सचर मशीन और ऑल्टो कार की टक्कर हो गई थी। हादसे में ऑल्टो का चालक घायल हो गया था। उसे पटना एम्स में भर्ती कराया था। पुलिस ने ऑल्टो से 20 लीटर अवैध शराब बरामद की थी। दोनों वाहनों को जब्त कर लिया था। थानाध्यक्ष ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि किस वाहन को छोड़ने के लिए एएसआई ने रिश्वत मांगी है।